DE GROUP
We Define Estate

Gandivaranchi
बिरसा का गांडीव

injection.care PHARMACY
+91 95070 00009 | injection.care

रांची, माघ, कृष्ण पक्ष, पंचमी 2082 | बुधवार, 07 जनवरी 2025, मूल्य: ₹2, वर्ष : 7, अंक: 53 | RNI NO : JHABIL/2019/85684 | TOTAL PAGE-08 | www.gandivlive.com

### राज्यपाल संतोष गंगवार ने युवाओं से किया संवाद, कहा-राष्ट्रीय युवा उत्सव सिर्फ प्रतियोगिता नहीं

# राष्ट्रीय मंच पर झारखंड के युवा होंगे एंबेसडर : गंगवार

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को लोक भवन में राष्ट्रीय युवा उत्सव-2026 के लिए झारखंड से चयनित प्रतिभागियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि चयनित युवा केवल स्वयं का नहीं, बल्कि राज्य की प्रतिभा, संस्कृति और आत्मविश्वास का प्रतिनिधित्व करने जा रहे हैं। विभिन्न स्तरों की चयन प्रक्रिया से गुजरकर यहां तक पहुंचना अपने-आप में एक बड़ी उपलब्धि है। जो उनके परिश्रम, अनुशासन और निरंतर प्रयास का प्रमाण है। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ-साथ उनके मार्गदर्शकों और प्रशिक्षकों के योगदान की भी सराहना की।

राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय युवा उत्सव केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि विचार, संस्कार और संवाद का राष्ट्रीय संगम है, जहां देश के विभिन्न राज्यों के युवा एक-दूसरे से सीखते हैं।

भारत की विविधता को निकट से अनुभव करते हैं। यह विविधता में एकता की जीवंत झलक प्रस्तुत करता है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचार–उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए का उल्लेख करते हुए कहा कि यही इस उत्सव की आत्मा है। विकसित भारत 2047 का सपना युवाओं की सोच, संकल्प और कर्म से ही साकार होगा, इसलिए सकारात्मक दृष्टिकोण और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना आवश्यक है।

राज्यपाल ने प्रतिभागियों से कहा कि वे राष्ट्रीय मंच पर झारखंड के युवा एंबेसडर होंगे। उनका आचरण, भाषा और व्यवहार राज्य की छवि को प्रतिबिंबित करेगा। उन्होंने आत्मविश्वास के साथ विनम्रता एवं अनुशासन बनाए रखने का विशेष आह्वान किया।

इस उत्सव से प्रतिभागी केवल पुरस्कार ही नहीं, बल्कि अनुभव, मित्रता और प्रेरणा लेकर लौटें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर झारखंड को गौरवान्वित करेंगे। राज्यपाल ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं। साथ ही कहा कि वहां से विजेता बन कर लौटने के बाद लोक भवन में उनका पुनः स्वागत किया जाएगा। राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी ने कहा कि प्रतिभागियों ने यहां बेहतर प्रस्तुति दी है। उन्होंने प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुति के दौरान समय-सीमा, स्लाइड्स और कंटेंट आदि पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी।

### जगंली हाथी रास्ते भटके, वन विभाग भी नहीं कर पा रहा ट्रेस

# हाथी का कहर : एक ही परिवार के पांच को कुचलकर मार डाला

*GANDIV REPORTER*

**चाईबासा।** पश्चिमी सिंहभूम जिले में जंगली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। नोवामुंडी प्रखंड के जेटेया थाना क्षेत्र के बाबरिया गांव और हाटगम्हरिया में हाथी के हमले में दो मासूम बच्चों समेत छह लोगों की जान चली गई है। चाईबासा के डीएफओ आदित्य नारायण ने घटना की पुष्टि की है।

डीएफओ के मुताबिक नोवामुंडी के बाबरिया गांव 6 जनवरी की रात हाथी के हमले में एक ही परिवार के 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी, उनके दो मासूम बच्चे और दूसरे परिवार का एक सदस्य शामिल है। घटना रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है, जब

सभी लोग अपने-अपने घरों में सो रहे थे। तभी अचानक हाथी ने घर पर हमला कर दिया। इस हमले में परिवार का एक बच्चा किसी तरह जान बचाकर भागने में सफल रहा। दूसरी घटना हाटगम्हरिया क्षेत्र की है। यहां हाथी के हमले में एक ग्रामीण की मौत हो गई जबकि दो घायल हैं। डीएफओ के मुताबिक बार-बार जागरूकता अभियान चलाकर ग्रामीणों से घर के बाहर नहीं सोने की अपील की गई थी, इसके बावजूद कई परिवार रात में खुले में सो रहे थे, जिसके कारण यह दर्दनाक घटना हो गई। फिलहाल, वन विभाग की पूरी टीम प्रभावित इलाकों में लगातार भ्रमण कर रही है। ड्रोन और अन्य संसाधनों की मदद से हाथी के मूवमेंट पर निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी नए गांव में नुकसान होने से पहले अलर्ट जारी किया जा सके।

डीएफओ ने बताया कि हाथी बहुत तेजी से अपना लोकेशन बदल रहा है, जिससे उसे लगातार ट्रेस कर पाना वन विभाग की टीमों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। उनके अनुसार, पश्चिम बंगाल से विशेषज्ञ टीम को बुलाया गया है, जो हाथी को ट्रेंकुलाइज कर काबू में लेने की प्रक्रिया में मदद करेगी।

हाथी का आतंक सिर्फ बाबरिया गांव तक सीमित नहीं रहा। बड़ा पासीया गांव में भी हाथी के हमले में एक ग्रामीण की मौत हो गई। वहीं लांपाईसाई गांव में एक अन्य व्यक्ति को हाथी ने रौंदकर मार डाला। इन दोनों गांवों में मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है।

#### सभी मृतकों की हुई पहचान

बाबरिया गांव में हाथी के हमले में जान गंवाने वालों की पहचान सनातन मेराल, उनकी पत्नी जोंकों कुई, उनके दो मासूम बच्चे और मोगदा लागुरी (दूसरे परिवार का सदस्य) के रूप में हुई है। इस हृदय विदारक घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है और लोग दहशत में हैं।

#### वन विभाग और प्रशासन अलर्ट

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग और जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। हाथी की मूवमेंट पर नजर रखी जा रही है और प्रभावित इलाकों में लोगों को सतर्क रहने की अपील की जा रही है। प्रशासन ने पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने और सुरक्षा के अतिरिक्त उपाय करने की बात कही है।

# ऑपरेशन सिंदूर से कांप उठा था पाक : अमेरिका

### जंग रुकवाने 60 बार लगाई थी गुहार

*GANDIV REPORTER*

**नयी दिल्ली।** पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब भारत ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर के अंदर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाया था, तब पाकिस्तान पूरी तरह से डर गया था। आलम यह था कि पाकिस्तान ने डर के मारे अमेरिका से 60 बार जंग रुकवाने की गुहार लगाई थी। पाकिस्तान ने इसके लिए धुआंधार तौर पर लॉबिंग भी की थी और करीब आधा अरब रुपये यानी 45 करोड़ रुपये खर्च किए थे। अमेरिकी सरकार द्वारा कई दस्तावेजों को सार्वजनिक करने के बाद ये खुलासा हुआ है। अमेरिकी फॉरेन एजेंट्स रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत हुए नए खुलासों से पता चलता है कि इस्लामाबाद को चिंता थी कि ऑपरेशन सिंदूर को सिर्फ रोका गया है और पाकिस्तानी इलाके पर हमले फिर से शुरू हो सकते हैं। अमेरिकी दस्तावेजों में कहा गया है कि पाकिस्तान अमेरिकी प्रशासन में शीर्ष पदों पर बैठे लोगों से लगातार संपर्क कर रहा था और क्राइसिस मैनेजमेंट कर रहा था। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि इस दौरान पाकिस्तान अमेरिका से हथियार देने की भी गुहार लगा रहा था और अमेरिका के सामने आर्थिक मदद के लिए भी हाथ फैला रहा था।

दस्तावेज ने पाकिस्तान के उस झूठे दावे का भी पदार्फाश किया है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने सीजफायर की मांग की थी। असल में, सैन्य अभियान रोकने की गुहार और अनुरोध पाकिस्तानी कमांडरों की तरफ से आया था। दरअसल, पाक के सैन्य अफसरों ने अपनी तरफ हुए नुकसान का अंदाजा लगा लिया था और भारत की मिलिट्री ताकत के सामने वे और नुकसान उठाने की हालत में नहीं थे। इसलिए, आखिरी उपाय के तौर पर, इस्लामाबाद ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मदद मांगी थी, इस डर से कि हमले फिर से शुरू हो सकते हैं।

# वेनेजुएला के पास रूस ने तैनात की पनडुब्बी अमेरिकी हमले के बाद पूरे इलाके में तनाव

*GANDIV REPORTER*

**नयी दिल्ली।** पिछले दिनों अमेरिका ने वेनेजुएला की राजधानी काराकास पर हमले करके उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को कब्जे में ले लिया, जिसकी रूस समेत दुनिया के कई देशों ने निंदा की। तनावपूर्ण माहौल के बीच, रूस ने वेनेजुएला के पास संभावित अमेरिकी जब्ती से टैंकर को बचाने के लिए पनडुब्बी तैनात की है। रूस कई दशकों से वेनेजुएला का समर्थक रहा है और अब रूसी पनडुब्बी की तैनाती से इलाके में तनाव और बढ़ सकता है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी

अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया गया है कि रूस ने उत्तरी अटलांटिक में एक खराब तेल टैंकर को एस्कॉर्ट करने के लिए एक पनडुब्बी और अन्य नौसैनिक संपत्ति की तैनाती की है। यह टैंकर, जो अब मरीनरा नाम से चल रहा है, वेनेजुएला के पास के पानी से निकलने के हफ्तों बाद से ही यूनाइटेड स्टेट्स कोस्ट गार्ड की निगरानी में है। हालांकि, जहाज खाली है और साफ तौर पर खराब हो रहा है, लेकिन इसकी यात्रा ने अमेरिकी अधिकारियों का ध्यान खींचा है, जो उस ग्लोबल नेटवर्क पर शिकंजा कसना चाहते हैं, जिसे वे रूस और अन्य प्रतिबंधित देशों से जुड़े अवैध तेल की तस्करी करने वाला बताते हैं।

पहले बेला 1 के नाम से जाना जाने वाला यह टैंकर दो हफ्तों से ज्यादा समय से वेनेजुएला के पास प्रतिबंधित तेल शिपमेंट को निशाना बनाने वाली अमेरिकी नेतृत्व वाली नाकाबंदी से बचने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, जहाज अटलांटिक में जाने से पहले डॉक करने और कच्चा तेल लोड करने में विफल रहा। तेल न होने के बावजूद, टैंकर का पीछा अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने किया। यह दुनियाभर में ब्लैक-मार्केट एनर्जी सप्लाई, जिसमें पश्चिमी प्रतिबंधों के बाहर रूस द्वारा बेचा गया तेल भी शामिल है, को ले जाने वाले बेड़ों को रोकने के बड़े प्रयास का हिस्सा था।

### शनि शिंगणापुर दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं के साथ हादसा, 5 की मौत

**मुंबई।** महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले (अहमदनगर) में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। राहुरी-शनि शिंगणापुर मार्ग पर एक तेज रफ्तार टेम्पो ट्रैवलर और ऑटो रिक्शा के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। इस भीषण दुर्घटना में रिक्शा में सवार 5 यात्रियों की मौत होने की खबर है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। यह दुर्घटना उंबरे गांव की सीमा में तांबे पेट्रोल पंप के पास घटी। एक टेम्पो ट्रैवलर बेहद तेज रफ्तार में शनि शिंगणापुर की ओर जा रहा था। इसी दौरान राहुरी की ओर से आ रहे एक ऑटो रिक्शा को उसने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि रिक्शा के परखच्चे उड़ गए और वह हवा में उछलकर कुछ दूर जा गिरी।

# आरक्षण का फायदा लेने के बाद जनरल सीट पाने का हक नहीं : सुप्रीम कोर्ट

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** आरक्षण का फायदा लेने वालों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर कोई कैंडिडेट परीक्षा में आरक्षित श्रेणी (जैसे- एससी, एसटी) की छूट का फायदा उठाता है, तो वह अनारक्षित यानी जनरल सीट पर नियुक्ति का दावा नहीं कर सकता। सुप्रीम कोर्ट का ये फैसला भारतीय वन सेवा (आईएफएस) परीक्षा से जुड़े एक मामले में आया। यह मामला 2013 की इंडियन फॉरेस्ट सर्विस एग्जाम से जुड़ा था। इस परीक्षा में दो चरण थे। प्रारंभिक परीक्षा और मुख्य परीक्षा, जिसके बाद इंटरव्यू होता था।

प्रारंभिक परीक्षा में जनरल

कैटेगरी के लिए कट-ऑफ 267 अंक था, जबकि अनुसूचित जाति (एससी) उम्मीदवारों के लिए यह 233 अंक था। एक एससी कैंडिडेट जी. किरण ने 233 अंक के रिलैक्शेसन का फायदा उठाया। उन्होंने 247.18 अंक प्राप्त किए और परीक्षा पास कर ली। वहीं, एक जनरल कैटेगरी के कैंडिडेट एंटनी एस. मारियप्पा ने 270.68 अंक लाकर जनरल कट-ऑफ पार किया।

हालांकि, मुख्य परीक्षा और इंटरव्यू के बाद जब फाइनल मेरिट लिस्ट आई, तो किरण 19वें स्थान पर थे और एंटनी 37वें स्थान पर। यानी, किरण का फाइनल रैंक एंटनी से बेहतर था। हालांकि, जब कैडर (राज्य) आवंटित करने की बारी आई, तो कर्नाटक में जनरल कैटेगरी के लिए केवल एक ह्यइनसाइडरह्ण (होम स्टेट) की सीट खाली थी और एससी कैटेगरी के लिए कोई इनसाइडर सीट नहीं थी।

ऐसे में सरकार ने जनरल इनसाइडर सीट एंटनी को आवंटित कर दी और किरण को तमिलनाडु कैडर में भेज दिया। किरण को यह फैसला पसंद नहीं आया।

# बांग्लादेश को भारत में ही खेलने होंगे वर्ल्ड कप मुकाबले: आईसीसी

*GANDIV REPORTER*

**नयी दिल्ली।** इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की टी-20 वर्ल्ड कप के वेन्यू बदलने की मांग को खारिज कर दी है। आईसीसी ने स्पष्ट किया है कि बांग्लादेश को अपने सभी लीग मैच भारत में ही खेलने होंगे, नहीं तो उसे अपने अंक गंवाने पड़ेंगे। बीसीबी ने मुस्तफिजुर रहमान को कछ से बाहर किए जाने के बाद सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत में टी-20 वर्ल्ड कप के मैच खेलने से इनकार कर दिया था और कछ से अपने मैच श्रीलंका में शिफ्ट करने की अपील की थी। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को आईसीसी अध्यक्ष जय शाह और कुछ अन्य अधिकारी मुंबई

में मौजूद थे। उन्होंने पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों से चर्चा की और उसके बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड से बातचीत की। आईसीसी ने साफतौर पर कहा कि वेन्यू में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा और बांग्लादेश को भारत में ही वर्ल्ड कप के मैच खेलने होंगे, नहीं तो उसे अंक गंवाने होंगे।

# बांग्लादेश में नहर में कूदने से हिंदू युवक की मौत

### लोगों ने चोरी के आरोप में पीछा किया, बचने के लिए पानी में छलांग लगाई

*GANDIV REPORTER*

**ढाका।** बांग्लादेश के नाओगांव जिले में नहर में कूदने से 25 साल के हिंदू युवक की मौत हो गई। घटना मंगलवार दोपहर की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मृतक की पहचान भंडारपुर गांव निवासी मिथुन सरकार के तौर पर हुई है। स्थानीय पुलिस ने बताया कि, कुछ लोगों ने हाट चकगौरी बाजार इलाके में मिथुन पर चोरी का आरोप लगाते हुए उसका पीछा किया। बचने की कोशिश में वह पास की नहर में कूद गया और लापता हो गया। बाद में स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस और फायर सर्विस की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब चार घंटे बाद शाम 4 बजे गोताखोरों की मदद से मिथुन का शव नहर से बरामद किया गया।

प्रारंभिक जांच के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जनरल अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने अभी यह पुष्टि नहीं की है कि मृतक वास्तव में चोरी में शामिल था या नहीं। बांग्लादेश में पिछले कुछ महीने में हिंदुओं के खिलाफ हमले लगातार बढ़े हैं। सोमवार रात नरसिंदी जिले में एक हिंदू दुकानदार की धारदार हथियारों से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 40 वर्षीय

शरत चक्रवर्ती मणि के रूप में हुई है। यह बीते 18 दिनों में छठे हिंदू व्यक्ति की हत्या हुई। शरत चक्रवर्ती मणि पलाश उपजिला के चारसिंदूर बाजार में अपनी किराना दुकान चला रहे थे। इसी दौरान अचानक पहुंचे अज्ञात हमलावरों ने उन पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया और मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल मणि को अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

19 दिसंबर को मणि ने फेसबुक पर एक पोस्ट लिखकर देश में बढ़ती हिंसा पर चिंता जताई थी और अपने इलाके को मौत की घाटी बताया था।

5 जनवरी को ही जेसोर जिले में भी एक हिंदू व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मोनिरामपुर इलाके में एक आइस फैक्ट्री मालिक राणा प्रताप बैरागी की सार्वजनिक रूप से हत्या हुई। वे कपलिया बाजार में आइस फैक्ट्री चलाते थे और दैनिक बीडी खबर अखबार के कार्यकारी संपादक भी थे। रिपोर्ट के मुताबिक, बाइक पर सवार तीन हमलावर उन्हें फैक्ट्री से बाहर बुलाकर एक गली में ले गए और सिर में नजदीक से गोली मारकर फरार हो गए। उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

बदमाश गोली मारने के बाद मौके से फरार हो गए। बाद में पुलिस ने घटनास्थल से सात खाली कारतूस बरामद किए। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। हत्या के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है।

बांग्लादेश में 3 जनवरी को 44 साल की एक हिंदू विधवा महिला से गैंगरेप किया गया। आरोपियों ने रेप के बाद उसे पेड़ से बांधकर पीटा। यह घटना बांग्लादेश के झेनाइदह जिले के कालीगंज इलाके में हुई।

# क्या एक बार फिर टलेगा नगर निकाय चुनाव

## राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव ने कहा है कि एसआईआर से नगर निकाय चुनाव प्रभावित नहीं होंगे

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** एक तरफ राज्य में नगर निकाय चुनाव की तैयारी जोरों पर है। वहीं दूसरी ओर इस चुनाव के टलने की अटकलें तेज हो गई हैं। दरअसल यह संभावना इस बात को लेकर व्यक्त की जा रही है कि राज्य में जल्द ही शुरू होने जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण 0के कारण नगर निकाय चुनाव प्रभावित होगा। अगर चुनाव आयोग के द्वारा इसकी घोषणा कर दी जाती है तो संवैधानिक रूप से नगर निकाय चुनाव पर ग्रहण लगना तय माना जा रहा है।

**एसआईआर से निकाय चुनाव प्रभावित नहीं होगा: एसईसी सचिव**

एसआईआर की घोषणा से पहले अगर राज्य में नगर निकाय चुनाव की घोषणा हो जाती है तो निर्वाचन प्रक्रिया बाधित नहीं हो, इस पर भारत निर्वाचन आयोग की सहमति मिल सकती है। मामले को लेकर ईटीवी भारत के संवाददाता ने राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राधेश्याम प्रसाद बात की। उन्होंने इनकार करते हुए कहा कि एसआईआर से नगर निकाय चुनाव प्रभावित नहीं होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि एक साथ दोनों प्रक्रिया जारी रह सकती है।

**जल्द चुनाव कराने की सरकार की मंशा नहीं है: याचिकाकर्ता**

झारखंड हाईकोर्ट में नगर निकाय चुनाव के लिए कानूनी लड़ाई लड़ने वाले याचिकाकर्ता अरुण कुमार झा कहते हैं कि सरकार की मंशा इस चुनाव को जल्द कराने की नहीं है। शायद यही वजह है कि निकाय चुनाव अभी तक टलता रहा है। उन्होंने कहा कि कहीं ऐसा न हो कि एसआईआर के कारण एक बार फिर यह चुनाव तत्काल रुक जाए। जाहिर तौर पर राज्य में एसआईआर पूरा होने में करीब 3 महीने का वक्त लगेगा। इसके बाद नए सिरे से मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। फिर उसी आधार पर मतदान कराना राज्य निर्वाचन आयोग की विवशता होगी।

**जिलों के डीसी-एसपी के साथ तैयारी की समीक्षा करने में जुटा आयोग**

नगर निकाय चुनाव की तैयारी को लेकर 8 जनवरी को राज्य निर्वाचन आयोग आला अधिकारियों के साथ समीक्षा करने जा रही है। वीडियो कॉफ्रेंसिंग के जरिए होने वाली इस समीक्षा बैठक में राज्य के सभी जिलों के डीसी-एसपी के अलावे नगर विकास सचिव, डीजीपी और गृहसचिव समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहेंगे। समीक्षा बैठक के दौरान राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा निर्वाचन की तैयारी और सुरक्षा बलों की तैनाती सहित कई बिन्दुओं पर चर्चा की जाएगी। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राधेश्याम प्रसाद ने जानकारी देते हुए कहा कि गुरुवार 12 बजे समीक्षा बैठक आहूत की गई है। जिसमें राज्य के सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारी के साथ-साथ आला अधिकारी मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि कहीं ऐसा न हो कि एसआईआर के कारण एक बार फिर यह चुनाव तत्काल रुक जाए। जाहिर तौर पर राज्य में एसआईआर पूरा होने में करीब 3 महीने का वक्त लगेगा। इसके बाद नए सिरे से मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। फिर उसी आधार पर मतदान कराना राज्य निर्वाचन आयोग की विवशता होगी।

# 10 जनवरी को महिला हॉकी लीग का फाइनल, शामिल होंगे मुख्यमंत्री सोरेन

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग का फाइनल मुकाबला 10 जनवरी को रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस फाइनल मुकाबले में खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शामिल होंगे। इस अवसर पर झारखंड के पर्यटन, कला-संस्कृति, खेल एवं युवा कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार और अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ के अध्यक्ष दातो तैय्यब इकराम विशिष्ट अतिथि होंगे। साथ ही विधायक कल्पना सोरेन सम्मानित अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत करेंगी। फाइनल मुकाबला एसजी पाइपर्स और श्राची बंगाल टाइगर्स के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल दिखाया है और अब खिताब के लिए आमने-सामने होंगी।

**महिला हॉकी को मिलेगी मजबूती :** हॉकी इंडिया के अध्यक्ष व हीरो हॉकी इंडिया लीग गवर्निंग कमेटी के चेयरपर्सन डॉ। दिलीप तिर्की ने कहा- ह्यइतने बड़े और सम्मानित अतिथियों की उपस्थिति हॉकी के प्रति सरकार और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिल रहे समर्थन को दशार्ती है। इससे महिला हॉकी को और मजबूती मिलेगी। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग युवा और प्रतिभाशाली महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का बेहतरीन मंच दे रही है। फाइनल में इतने विशिष्ट अतिथियों की मौजूदगी लीग की सफलता का प्रमाण है।

# 69वीं राष्ट्रीय स्कूली तीरंदाजी प्रतियोगिता : गोल्ड के साथ झारखंड का शानदार आगाज

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** 69वीं राष्ट्रीय स्कूली तीरंदाजी प्रतियोगिता के पहले दिन खिलाड़ियों ने सटीक निशानेबाजी और कड़े मुकाबलों से प्रतियोगिता को रोमांचक बना दिया। अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग के इंडियन राउंड मुकाबलों में देशभर से आए प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का दमदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता के पहले दिन झारखंड के तीरंदाजों ने बेहतरीन शुरूआत करते हुए एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक अपने नाम किया। राजधानी रांची स्थित खेलगांव के टिकैत उमराव शूटिंग स्टेडियम में इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।

20 मीटर इंडियन राउंड (बालक वर्ग) में झारखंड के चंद्र मोहन सोरेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर राज्य को गौरवान्वित किया। उन्होंने पूरे मुकाबले में निरंतरता और आत्मविश्वास का परिचय दिया। इस स्पर्धा में केवीएस के हरसिल को रजत जबकि छत्तीसगढ़ के विक्रम राज को कांस्य पदक मिला। वहीं 20 मीटर इंडियन राउंड (बालिका वर्ग) में झारखंड की सोनी कुमारी ने कड़े मुकाबले में कांस्य पदक हासिल किया। इस स्पर्धा में महाराष्ट्र की स्वरांजलि शंकर बनसुडे ने स्वर्ण और असम की हिमानी बसु मंत्री ने रजत पदक अपने नाम किया। सोनी कुमारी का यह प्रदर्शन राज्य की बालिका तीरंदाजों की मजबूत उपस्थिति को दशार्ता है। अन्य मुकाबलों में भी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। 30 मीटर इंडियन राउंड (बालक वर्ग) में ओडिशा के रोहित कुमार मरांडी ने स्वर्ण, छत्तीसगढ़ के तोरण यादव ने रजत और असम के प्रज्ञान गोगई ने कांस्य पदक जीता। वहीं 30 मीटर इंडियन राउंड (बालिका वर्ग) में असम की हिमानी बसु मंत्री ने स्वर्ण, महाराष्ट्र की स्वरांजलि शंकर बनसुडे ने रजत और छत्तीसगढ़ की स्वाती यादव ने कांस्य पदक हासिल किया। पहले दिन के मुकाबलों से यह स्पष्ट हो गया कि इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है। झारखंड के खिलाड़ियों की सशक्त शुरूआत ने आने वाले दिनों में और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जगा दी है।

# हिंदपीढ़ी में जरूरतमंदों को बांटे कंबल

## असलम ने वार्ड को मॉडल बनाने का लिया संकल्प

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** कड़ाके की ठंड के बीच रांची के हिंदपीढ़ी क्षेत्र में गरीब और जरूरतमंद लोगों को राहत पहुंचाने के लिए बड़े स्तर पर कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वार्ड संख्या 22 के कार्यालय में पूर्व वार्ड पार्षद सह वार्ड 22 प्रत्याशी मोहम्मद असलम के नेतृत्व में करीब दो हजार गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मो. असलम ने कहा कि रांची में बढ़ती ठंड को देखते हुए हर साल की तरह इस साल भी जरूरतमंदों तक कंबल पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने क्षेत्र में अपने निरंतर प्रयासों का जिक्र करते हुए बताया कि हिंदपीढ़ी में स्वच्छता अभियान के तहत रोजाना सफाई, सड़क, नाली, बिजली-पानी की व्यवस्था, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, राशन कार्ड और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी सरकारी योजनाओं पर लगातार काम किया जा रहा है। असलम ने कहा, पार्षद के रूप में या अमन यूथ सोसाइटी के माध्यम से मैं जनता के हर सुख-दुख में साथ खड़ा रहा हूं और आगे भी खड़ा रहूंगा। आगामी वार्ड चुनाव के संदर्भ में उन्होंने घोषणा की कि वे वार्ड संख्या 22 को एक स्मार्ट मॉडल वार्ड बनाने के सपने के साथ चुनाव मैदान में उतर रहे हैं। जनता से सहयोग की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि जीत के बाद उनकी पहली प्राथमिकता वार्ड में एक अस्पताल का निर्माण और प्राइमरी स्कूल को बेहतर बनाना होगी, ताकि शिक्षा के क्षेत्र में ठोस सुधार हो सके। कार्यक्रम में निवर्तमान पार्षद नाजिया असलम, अमन यूथ सोसाइटी के नदीम इकबाल, मो. एहसान, अब्दुल बारी, मो. अकबर मुन्ना, हारून रसीद, मो. इरशाद, मुनाजिर आलम, लड्डन जावेद, श्यामलाल गुप्ता, अनवर हुसैन, विलियम टोप्पो, हुस्ना बानो, असरफ अली, आरजू आलम, मो. सईद अख्तर, मो. नसीम सहित सोसाइटी के कई पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

# तमाड़ अंचल किसान सभा का सम्मेलन सम्पन्न

## सम्मेलन के पश्चात अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का पूतला फूंका गया

*GANDIV REPORTER*




**मुरी।** बुधवार को झारखंड राज्य किसान सभा तमाड़ अंचल किसान सभा का सम्मेलन घनश्याम सिंह सिंह मुंडा नगर, उमापति मुंडा मंच टोड़ाग मैदान में लोधरो मुंडा एवं जेहरूलाल मुंडा क अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए झारखंड राज्य किसान सभा के राज्य अध्यक्ष सुफल महतो ने कहा सरकार द्वारा घोषित एम एस पी 24 रू 50 पैसा के बजाय 15 रू 17 रू यानि परति क्विंटल 750 रू से 950 रू कम दाम में किसान धान बेचने के लिए मजबूर हैं। किसान सभा धान लूट के खिलाफ प्रखंड कार्यालय एवं लैंम्प्स - पैक्स के समक्ष डेरा डालो आन्दोलन चलाने का निर्णय लिया गया। मोदी सरकार ने 4 लेबर कोड, कृषि और बिजली विधेयक, तथा मनरेगा खत्म कर बी,भी,राम जी कानून लाकर देश के किसानों का कमर तोड़ देगा, लगातार बढ़ रही किसान आत्महत्याएं, हाथियों का आतंक, जबरन जमीन अधिग्रहण के खिलाफ किसान सड़कों पर है तत्पश्चात तमाड़ अंचल किसान कमिटी का चुनाव किया गया। लोधरो मुंडा - अध्यक्ष, जेहरूलाल मुंडा- सचिव,मनबोध मुंडा - कोषाध्यक्ष, सहदेव मुंडा, करमसिह- उपाध्यक्ष, जयपाल सिंह मुंडा, ह्रदय मुंडा - संयुक्त सचिव एवं विशेश्वर महतो,भिडराय मुंडा शिवेशवर मुंडा, रामशंकर मांझी, पूर्ण लोहरा रंगलाल मुंडा,पितमबर मुंडा,गौर मोहन मुंडा,डुटू स्वासी अंचल कौंसिल सदस्य चुने ।

सम्मेलन के समाप्ति के पश्चात अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का पूतला दहन किया गया। झारखंड राज्य किसान सभा के राज्य अध्यक्ष सुफल महतो ने सम्बोधित करते हुए कहा कि बेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो एवं उनकी पत्नी सिलिया फोलोरेस को बेनेजुएला में घुस कर अमेरिकी सैनिकों द्वारा उठा ले जाना, एवं हिरासत में लेना बेनेजुएला संप्रभुता पर खुला हमला है, बेनेजूएला की घटना का विश्व भर में निंदा तथा विरोध प्रदर्शन जारी है। यह घटना साम्राज्यवादी अमेरिका की दादागिरी का एक और नमूना है।

अमेरिकी साम्राज्यवाद मुदार्बाद, वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो एवं उनकी पत्नी सिलिया फोलोरेस को मुक्त करो, वेनेजुएला की संप्रभुता पर हमला नहीं चलेगा, अमेरिकी दादागिरी नहीं चलेगा, मोदी सरकार का वेनेजुएला पर घुटना टेकू नीति नहीं चलेगा आदि नारे लग रहे थे।

# मुरी-राजधानी टुसू महोत्सव 2026 की तैयारी तेज

**रांची।** झारखंड का प्रसिद्ध लोक संस्कृति टुसू पर्व के अवसर पर 11 जनवरी 2026 को प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी राजधानी टुसू महोत्सव 2026 कार्यक्रम आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री जी शामिल होंगे। आयोजक कमेटी के आमंत्रण को स्वीकार करते हुए उपायुक्त भजंत्री जी ने कहा कि टूसू झारखंड की प्रमुख लोकसंस्कृति पर्व है राजधानी रांची में टूसू महोत्सव होना गर्व की बात है। मौके पर देवेन्द्र नाथ महतो जी ने कहा कि इस बार राजधानी टूसू महोत्सव 2026 को भव्य रूप से मनाने की तैयारी चल रही है, महोत्सव के मौके पर ढोल - नगाड़े - मांदर के थाप से सामूहिक संगीत नृत्य प्रस्तुत किया जायेगा, तथा टूसू चौडल प्रदर्शन किया जाएगा। इधर टूसू पर्व नजदीक आते आते हाट बाजार में टूसू चौड़ाल बिक्री बढ़ गई है लोगों में उत्साह तेज हो गई है।

# झारखंड में जल्द होगा एसआईआर शुरू

## दूसरे राज्य से आए लोगों को दिखाने होंगे ये दस्तावेज

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** झारखंड में मतदाताओं का विशेष गहन पुनरीक्षण का काम फरवरी के दूसरे सप्ताह से शुरू होने वाला है। अगर प्रारंभिक तैयारी से भारत निर्वाचन आयोग संतुष्ट होता है तो, 16 फरवरी से रक्क्रकी शुरूआत हो सकती है। इन सबके बीच एसआईआर को लेकर वैसे मतदाता बेहद चिंतित हैं, जिनका नाम दूसरे राज्य के 2003 के वोटर लिस्ट में दर्ज हैं। लेकिन बाद में वे झारखंड के वोटर बन गए हैं। उनका क्या होगा। इसके अलावे अक्टूबर 2024 में प्रकाशित मतदाता सूची के बाद जिनका उम्र 18 साल वर्तमान में हो गया है, वे कैसे वोटर बनेंगे।

**नए मतदाता पैरेंट्स के दस्तावेज के साथ जोड़ सकते हैं नाम**

झारखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रवि कुमार के अनुसार ऐसे लोग, जिनका 2003 या अन्य वर्षों में हुए विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान दूसरे राज्य के वोटर लिस्ट में नाम दर्ज है।

उनका वेरिफिकेशन बीएलओ ऐप के माध्यम से फिजिकल वेरिफिकेशन के जरिए बीएलओ करेंगे। जिसमें उस राज्य के वोटर लिस्ट से मिलान करके कंफर्मेशन किया जायेगा। ऐसे ही जो पहली बार वोटर लिस्ट में नाम जोड़ना चाहते हैं, वो एक घोषणा पत्र के साथ माता या पिता के दस्तावेज के साथ फार्म-6 भरकर बीएलओ को जमा कर सकते हैं।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर पैरेंटल मैपिंग का काम अंतिम चरण में है। इसके बाद मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया फिजिकल वेरिफिकेशन के आधार पर होगी। भारत निर्वाचन आयोग ने झारखंड में एसआईआर के लिए आधार वर्ष 2003 के वोटर लिस्ट को बनाया है। जाहिर तौर पर 2003 के वोटर लिस्ट में बड़ी संख्या में ऐसे नागरिक पाए जायेंगे जिनका नाम उस समय दूसरे राज्य के मतदाता सूची में शामिल था।

आयोग के द्वारा ऐसे लोगों को चिन्हित करने के लिए चुनाव आयोग के वेबसाइट पर पिछले विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद प्रकाशित डिजिटल कॉपी को सार्वजनिक किया है। जिसके आधार पर बीएलओ वोटर का वेरिफिकेशन करेंगे। बहरहाल आयोग के द्वारा एसआईआर को लेकर तैयारियां पूरी की जा रही है। जिससे कोई योग्य मतदाता छूटे नहीं और कोई अयोग्य जुटे नहीं।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर पैरैंटल मैंपिंग का काम अंतिम चरण में है। इसके बाद मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया फिजिकल वेरिफिकेशन के आधार पर होगी।

# श्राची बंगाल टाइगर्स ने एसजी पाइपर्स को शूटआउट में दी मात

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** महिला हॉकी इंडिया लीग 2025-26 में श्राची बंगाल टाइगर्स ने एक बार फिर दबाव भरे मुकाबले में शानदार संयम दिखाते हुए एसजी पाइपर्स को 0-0 (7-6 शूटआउट) से पराजित कर दिया। बता दें कि खेल के निर्धारित समय तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी, जिसके बाद मुकाबला शूटआउट तक पहुंचा। सडन डेथ में श्राची बंगाल टाइगर्स ने जीत दर्ज करते हुए अहम बोनस प्वाइंट हासिल किया और फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। अब खिताबी मुकाबले में श्राची बंगाल टाइगर्स और एसजी पाइपर्स एक-दूसरे से भिड़ेंगी।

आज के मैच की शुरूआत तेज रफ्तार रही। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। श्राची बंगाल टाइगर्स को शुरूआती मिनटों में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वे इसे गोल में तब्दील नहीं कर सकीं। इसके बाद एसजी पाइपर्स ने गेंद पर पकड़ बनाते हुए कई बार सर्कल में प्रवेश किया। हालांकि टाइगर्स की मजबूत रक्षा के सामने उन्हें भी सफलता नहीं मिली।

पहला क्वार्टर गोलरहित बराबरी पर समाप्त हुआ। दूसरे क्वार्टर में श्राची बंगाल टाइगर्स ने दबाव और बढ़ा दिया। लगातार हमलों के बीच उन्हें एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। लेकिन एसजी पाइपर्स की गोलकीपर बंसारी सोलंकी ने शानदार बचाव करते हुए टीम को गोल खाने से बचाया। उनकी चुस्त गोलकीपिंग के चलते हाफ-टाइम तक स्कोर 0-0 बना रहा। तीसरे क्वार्टर में भी टाइगर्स का दबदबा जारी रहा। वंदना कटारिया ने सर्कल के भीतर से जोरदार शॉट लगाया, लेकिन एक बार फिर बंसारी सोलंकी ने बेहतरीन बचाव कर स्कोर बराबर रखा। वहीं रञ्जृपाइपर्स ने भी कुछ आक्रमण किए लेकिन फिनिशिंग की कमी के कारण वे बढ़त नहीं बना सकीं। चौथे क्वार्टर में मुकाबला और रोमांचक हो गया। श्राची बंगाल टाइगर्स की कप्तान लालरेम्सियामी को गोल करने का सुनहरा मौका मिला लेकिन पाइपर्स की गोलकीपर ने समय रहते बचाव कर लिया। अंतिम क्षणों में टाइगर्स को पेनल्टी कॉर्नर मिला, मगर वे गोल करने में असफल रहीं और मुकाबला शूटआउट में चला गया। शूटआउट में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। श्राची बंगाल टाइगर्स की ओर से पूर्णिमा यादव और नूर डी बाट ने गोल किए, जबकि एसजी पाइपर्स की ओर से जुआना कास्टेलारो और केटलिन नोब्स सफल रहीं। स्कोर 2-2 की बराबरी पर पहुंचने के बाद मुकाबला सडन डेथ में गया, जहां टाइगर्स ने पांच में से पांच मौके भुनाए, जबकि पाइपर्स चार गोल ही कर सकीं। इसी के साथ श्राची बंगाल टाइगर्स ने 7-6 से शूटआउट जीत दर्ज की। इस जीत के साथ श्राची बंगाल टाइगर्स ने बोनस प्वाइंट हासिल किया और फाइनल में प्रवेश किया। पहले ही अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुकी एसजी पाइपर्स भी खिताबी

# मैक्लुस्कीगंज का पारा 0.5 डिग्री, खूंटी में ओस की बूंदें बर्फ में तब्दील

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** पूरे झारखंड में हाड़ कंपाने वाली ठंड पड़ रही है। सभी जिलों का न्यूनतम पारा 10 डिग्री से नीचे चला गया है। खूंटी, रांची, बोकारो, चाईबासा, डाल्टनगंज और लोहरदगा में शीतलहर चलने से जनजीवन पर व्यापक असर पड़ा है। इन जिलों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री तक नीचे चला गया है। अस्पतालों में ठंड से प्रभावित मरीजों की संख्या बढ़ गई है। इस बीच मौसम केंद्र ने ठंड से बचाव को लेकर अलर्ट जारी किया है।

वहीं मैक्लुस्कीगंज का पारा आज बुधवार की सुबह पांच बजे 0.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बाबी गोर्डन में लगे तापमान मापक यंत्र में यह तापमान रिकॉड किया गया। तापमान मापक नेल्सन पॉल गोर्डन ने बताया कि घर के बाहर खुली स्थान मे थाली में रखा पानी जम गयी थी। तापमान में गिरावट से खेत खलियान में पुआल घास फूस में ओस की बुंदे बर्फ में तब्दील हो जा रही है।

खलारी कोयलांचल आसपास के इलाकों में पिछले तीन दिन से शीतलहरी हवाएं से ठंडक दस्तक दे दी है। सुबह धुंध छाई रही सूर्योदय के बाद पूरे दिन आसमान में धूप खिली रही लेकिन सर्द पछुआ हवाओं ने मौसम में कन कनकनी ला दी। ठंडक बढ़ने से बाजारों में चहल-पहल घट गई है। जिससे शाम होते ही लोग घरों में दुबकने लगे। शाम होते ही चौक चौराहों में लोग अलाव जलाकर तपते देखे गए। ठंड के दस्तक के साथ ही बाजारों में गर्म कपड़ों, हीटर, की मांगे बढ़ गई हैं। क्षेत्र में

मौसम केंद्र, रंची के मुताबिक पूरे राज्य में सबसे कम तापमान खूंटी में 2.1 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है। यहां जबरदस्त शीतलहर चल रही है। हालत यह है कि खूंटी के मुरहू में ओस की बूंदे बर्फ में तब्दील हो गई। बुधवार की सुबह मुरहू के लोग जब नींद से जागे तो घास और गाड़ियों पर बर्फ की पतली चादर देखी। राहत की बात यह रही कि खूंटी में बुधवार को अच्छी धूप निकली है। फिर भी हवा में जबरदस्त नमी है।

## सभी जिलों का न्यूनतम पारा लुढ़का

झारखंड के सभी जिलों का न्यूनतम पारा लुढ़का है। मौसम केंद्र, रांची की ओर से 7 जनवरी की सुबह जारी रिपोर्ट के मुताबिक खूंटी के बाद लोहरदगा में सबसे कम तापमान रिकॉर्ड हुआ है। यहां पारा 3.7 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। इसके अलावा डाल्टनगंज में 4.1 डिग्री, सिमडेगा में 5.2 डिग्री, सरायकेला में 5.4 डिग्री, चाईबासा में 5.5 डिग्री, हजारीबाग में 5.5 डिग्री, रांची में 6.6 डिग्री, बोकारो में 6.7 डिग्री, पाकुड़ में 7.4 डिग्री, देवघर में 7.6 डिग्री, जमशेदपुर में 7.7 डिग्री, कोडरमा में 8.2 डिग्री और लातेहार में 8.6 डिग्री सेल्सियस पर पारा पहुंच गया है।

खास बात है कि कड़ाके की ठंड के बीच 8 जनवरी से राज्य के कई इलाकों में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना जतायी गई है। यह सिलसिला 10 जनवरी तक देखने को मिल सकता है।

# पत्रकार पर हमला करने वाले दो अपराधी 12 घंटे के अंदर गिरफ्तार

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** राजधानी में अपराधियों के मन में पुलिस का खौफ खत्म होता दिख रहा है। कहीं खुलेआम लोगों को सड़कों पर कुचलकर मार दिया जा रहा है तो कहीं से मासूम बच्चे गायब हो जा रहे हैं। ताजा मामला रांची के दो पत्रकारों का हैं। मंगलवार की रात अखबार के दफ्तर से वापस घर लौट रहे दो पत्रकारों पर लूटपाट के दौरान जानलेवा हमला किया गया। हमले में एक पत्रकार गंभीर रूप से घायल है।

वहीं पत्रकार के साथ मारपीट और लूटपाट की कोशिश करने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर पुलिस की टीम ने 12 घंटे के भीतर घटना में शामिल दोनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है।

उसके पास से एक मोटरसाइकिल भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान बिहार के औरंगाबाद निवासी ऋषभ कुमार और रामगढ़ के मांडू निवासी मनीष कुमार के रूप में हुई है। बता दें कि मंगलवार की देर रात पत्रकार मुकेश कुमार ड्यूटी से अपने घर लौट रहे थे। तभी सदर थाना क्षेत्र के सुभाष चौक, कोकर के पास एक बाइक पर सवार दो व्यक्तियों ने उन्हें रोका। दोनों अपराधियों ने मुकेश कुमार के साथ मारपीट की और उनका मोबाइल व पैसा छीनने की कोशिश की। इस घटना के संबंध में पीड़ित के बयान पर सदर थाना कांड संख्या-06/25 दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए रांची पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कांड का खुलासा किया और घटना में शामिल दोनों अपराधियों की धर-पकड़ शुरू की। पुलिस ने तकनीकी और मानवीय साक्ष्यों के आधार पर दोपहिया वाहन सहित दोनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया।

### क्या है पूरा मामला

मंगलवार की देर रात रांची के सदर थाना क्षेत्र के सुभाष चौक के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक दैनिक अखबार के दो मीडिया कर्मियों पर बाइक सवार दो असामाजिक तत्वों ने हमला कर दिया। घटना मंगलवार की रात दो बजे के आस पास की है। दोनों पत्रकार अपने कार्यालय से घर लौट रहे थे, तभी बाइक सवार युवकों ने रास्ते में रोककर छिनतई का प्रयास किया। इसके विरोध करने पर अपराधियों ने जानलेवा हमला कर दिया।

### सीसीटीवी में कैद हुई घटना

पत्रकारों पर हमले की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसमें अपराधी पत्रकार के साथ बुरी तरह से मारपीट करते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। जिस समय पत्रकारों पर हमला हुआ और लूटपाट हुई, उस समय वहां कोई पुलिस पेट्रोलिंग मौजूद नहीं थी। जबकि कोकर इलाके में आधा दर्जन के करीब मीडिया के दफ्तर हैं, जिसमें देर रात तक काम होता है। इसके बावजूद इलाके में सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं है।

## लोअर बाजार इलाके से महिला का शव बरामद, अब तक नहीं हो सकी पहचान

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** राजधानी रांची के लोअर बाजार थाना क्षेत्र में बुधवार को एक महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने सेंटिविटा अस्पताल के सामने से लगभग 60 वर्षीय महिला का शव बरामद किया गया है। महिला का अता-पता अब तक नहीं चल पाया है। पुलिस आसपास के लोगों से बात कर महिला के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही है।

सूचना मिलने के बाद लोअर बाजार थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृत महिला की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है, हालांकि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वह मूल रूप से कांके क्षेत्र की रहने वाली बताई जा रही है।

लोअर बाजार थाना प्रभारी रणविजय ने बताया कि महिला की मौत के कारणों की जांच की जा रही है। मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी पहलुओं की छानबीन की जा रही है। जरूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

## 2026 में झारखंड बनेगा टॉप राज्य, विकास यात्रा को मिलेगी नई रफ्तार

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से नववर्ष के अवसर पर प्रशासनिक और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की। कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में हुई इस मुलाकात में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को नव वर्ष 2026 की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सभी अधिकारियों का हार्दिक स्वागत किया और नववर्ष शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा- ह्लनव वर्ष नया संकल्प, नई ऊर्जा और नए अवसर लेकर आता है। हम सभी सकारात्मक ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ राज्य के सर्वांगीण विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए दृढ़ संकल्पित रहेंगेह्व मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि वर्ष 2026 झारखंड की विकास यात्रा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

शासन-प्रशासन और जनता के सहयोग से राज्य को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शामिल करने की दिशा में यह वर्ष महत्वपूर्ण पड़ाव बनेगा। उन्होंने सभी से एकजुट होकर सरकार की विकास योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। अपनी ओर से मुख्यमंत्री ने सभी राज्यवासियों को सुख, समृद्धि, उन्नति और खुशहाली की शुभकामनाएं दीं। मालूम हो कि मुलाकात करने वाले प्रमुख अधिकारीयों में प्रशासनिक अधिकारी, अध्यक्ष राज्य वित्त आयोग अमरेंद्र प्रताप सिंह, सीईओ जेएसएलपीएस अनन्य मित्तल, अपर सचिव उद्योग प्रीति रानी, अपर सचिव वित्त धनंजय सिंह, अपर सचिव स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता सीता पुष्पा, निदेशक सामाजिक सुरक्षा विजय कुमार सिंह, उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम कर्ण सत्यार्थी, उपायुक्त सरायकेला-खरसावां नीतीश कुमार सिंह, उपायुक्त कोडरमा ऋतुराज आदि थे।

वहीं पुलिस अधिकारीयों में डीजी होमगार्ड एम.एस भाटिया, डीआईजी दुमका अमर लकड़ा, एसपी लोहरदगा सादिक अनवर रिजवी, एसपी सरायकेला-खरसावां मुकेश कुमार लुनायत, एसपी गोड्डा मुकेश कुमार, एसपी गुमला हारिश बिन जमां, एसपी खूंटी मनीष टोप्पो, एसपी ट्रेनिंग सेंटर मुसाबनी विजय आशीष कुजूर सहित अन्य।

## उपायुक्त ने सुनी जनता की फरियाद, त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने समाहरणालय में आयोजित जनता दरबार में आमजन की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के सख्त निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य रूप से भूमि संबंधी विवाद, भूमि उपयोग की अनुमति और अन्य शिकायतें सामने आईं।

उपायुक्त भजंत्री ने सभी फरियादों को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा, जनता की समस्याओं का समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य आमजन तक सरकारी योजनाओं और सेवाओं को सुगमता से पहुंचाना है। जनता दरबार जैसे कार्यक्रम प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करते हैं, जिससे समस्याओं का त्वरित निराकरण संभव हो पाता है।

जनता दरबार के दौरान राष्ट्रीय जतरा महोत्सव के आयोजकों के प्रतिनिधि मंडल ने भी उपायुक्त से मुलाकात की। उन्होंने ज्ञापन सौंपकर अनुरोध किया कि विगत कई वर्षों से मोरहाबादी मैदान में सफलतापूर्वक आयोजित हो रहे इस महोत्सव के लिए इस वर्ष भी 31 जनवरी से मैदान आवंटित किया जाए। प्रतिनिधियों ने बताया कि यह महोत्सव आदिवासी समाज की प्राचीन परंपराओं, रीति-रिवाजों, लोककला और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसमें झारखंड सहित देश के विभिन्न राज्यों से आदिवासी कलाकार और खोड़ा दल अपनी पारंपरिक कला, संस्कृति और सामाजिक एकता का जीवंत प्रदर्शन करते हैं। यह आयोजन आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का सशक्त प्लेटफॉर्म है।

# झारखंड की जेलों में कैदियों के लिए डिजिटल सुविधा शुरू

### अब परिजन घर बैठे ऑनलाइन पैसा कर सकेंगे ट्रांसफर

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** राजधानी रांची सहित झारखंड के विभिन्न जेलों में अब कैदियों के परिजनों के लिए ऑनलाइन पैसा ट्रांसफर करने की सुविधा शुरू कर दी गई है। जेलों में फैले भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के उद्देश्य से यह नई पहल की गई है। इस संबंध में आवश्यक बैंक डिटेल्स जेल प्रशासन द्वारा उपलब्ध करवा दिए गए हैं।

झारखंड के विभिन्न जेलों में कैदी के परिजन अब घर बैठे उन्हें पैसा भेज सकेंगे। यह व्यवस्था लागू कर दी गई है। इस नए प्रयोग से जेलों में फैले भ्रष्टाचार पर अंकुश लग सकता है। साथ ही, परिजनों को कैदियों को पैसा भेजने के लिए न तो जेल प्रशासन को रिश्वत देनी पड़ेगी और न ही घंटों मुलाकाती गेट पर खड़ा रहना पड़ेगा।

जेल आईजी सुदर्शन मंडल ने बताया कि जेल के सभी कैदियों का अपना डिजिटल अकाउंट बनाया जा रहा है। फिलहाल एक्सिस बैंक की सहायता से ऑनलाइन पेमेंट की सुविधा शुरू की गई है। कैंटीन के जरिए कैदियों के परिजन और परिचित घर बैठे ही पैसा ट्रांसफर कर सकेंगे। इन पैसों से कैदी जेल की कैंटीन से अपनी जरूरत का सामान खरीद सकेंगे।

**क्या होगा फायदा? :** इस व्यवस्था के तहत जेलों में कैदियों के लिए ऑनलाइन ट्रांजेक्शन की सुविधा शुरू की गई है।

इसका उद्देश्य न केवल कैदियों की सुविधाओं में सुधार करना है, बल्कि जेल प्रशासन में पारदर्शिता लाना और अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाना भी है। नई व्यवस्था के तहत कैदियों का जेल की कैंटीन में एक डिजिटल अकाउंट खोला गया है। इस अकाउंट के माध्यम से कैदी अपने लिए आवश्यक वस्तुएं जैसे साबुन, तेल, टूथपेस्ट, बिस्किट, नमकीन आदि खरीद सकेंगे। इससे पहले यह प्रक्रिया नकद लेन-देन पर आधारित थी, जिसमें पारदर्शिता की कमी के कारण अक्सर गड़बड़ियां और भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आती थीं। इसी पर अंकुश लगाने के लिए आपदा प्रबंधन एवं कारा विभाग की ओर से यह प्रक्रिया शुरू की गई है।

**कैदियों के परिजनों को दिया जाएगा खाते का नंबर :** जेल में एक्सिस बैंक के खाते का नंबर कैदियों के परिजनों को भी उपलब्ध कराया जाएगा। परिजन जेल कैंटीन के इस डिजिटल अकाउंट में घर बैठे मोबाइल या कंप्यूटर के जरिए पैसा ट्रांसफर कर सकेंगे। इससे उन्हें जेल जाकर पैसा जमा करने की झंझट से मुक्ति मिलेगी। कैदियों को समय पर जरूरत की चीजें मिल सकेंगी। साथ ही, किसी तीसरे व्यक्ति की भूमिका खत्म हो जाने से शोषण की संभावना भी कम हो जाएगी।

**निजी बैंक के साथ हुआ समझौता :** आपदा प्रबंधन एवं कारा विभाग के साथ एक्सिस बैंक के खाते खोलने को लेकर समझौता हुआ है। इसके तहत उपकरणों को जेल में इंस्टॉल किया गया है। इस एवज में बैंक को विभाग की ओर से राशि भी दी जा रही है। जेल की व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए डिजिटल व्यवस्था को बल दिया जा रहा है।

**जेल प्रशासन को मिलेगी राहत :** इस नई व्यवस्था से न केवल कैदियों को लाभ होगा, बल्कि जेल प्रशासन को भी कई स्तरों पर राहत मिलेगी। कैश लेन-देन में कमी आने से हिसाब-किताब अधिक पारदर्शी और डिजिटल रिकॉर्ड आधारित हो जाएगा। इससे जेल प्रशासन की छवि में सुधार होगा और कैदियों में व्यवस्था के प्रति विश्वास भी बढ़ेगा।

### जेल गेट पर खुलेआम होता है पैसों का लेन-देन

झारखंड के जेलों में पहले खुलेआम पैसों का लेन-देन होता था। कैदियों को भेजे जाने वाले हर सामान का रेट फिक्स होता था। उतना पैसा जब परिजन जेल गेट पर तैनात पुलिसकर्मियों को देते थे, तब उनका सामान कैदियों तक भेजा जाता था। यहां तक कि पैसा भेजने का भी फिक्स्ड कमीशन होता था। इसकी शिकायतें लगातार आपदा प्रबंधन एवं कारा विभाग को मिल रही थीं। शिकायत के आधार पर कई बार जांच भी हुई। कुछ दिन व्यवस्था ठीक रहती थी, उसके बाद फिर कमीशनखोरी की व्यवस्था लागू हो जाती थी। यह नई डिजिटल व्यवस्था इन समस्याओं का स्थायी समाधान साबित हो सकती है।

# वेनेजुएला संकटः अमेरिकी निरंकुशता और वैश्विक कानूनों का हनन

ललित गर्ग
पत्रकार, स्तंभकार

अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्वयं को वैश्विक शांति का मसीहा घोषित करते नहीं थकते, लेकिन उनकी नीतियां और कार्रवाइयाँ बार-बार युद्ध, हस्तक्षेप और सत्ता परिवर्तन की मानसिकता को उजागर करती हैं। यह वही अमेरिका है जो एक ओर लोकतंत्र, मानवाधिकार और संप्रभुता की दुहाई देता है, तो दूसरी ओर एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण और उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाना अंतर्राष्ट्रीय दादागिरी का दुर्लभ उदाहरण है।

**वेनेजुएला** पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था वास्तव में नियम-कानूनों से संचालित होती है या फिर ताकतवर राष्ट्रों की इच्छा ही वैश्विक न्याय का नया मानदंड बन चुकी है। निश्चित तौर पर वेनेजुएला पर अमेरिकी हमला महाशक्तियों की निरंकुशता को दर्शा ही रहा है, यह वैश्विक कानूनों का अतिक्रमण भी है, जो अमेरिकी दादागिरी का त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण संकेत है, वह केवल लैटिन अमेरिका तक सीमित घटना नहीं है, बल्कि समूची दुनिया के लिये एक खतरनाक मिसाल है। अमेरिका ने जिस तरह से वेनेजुएला में सैन्य कार्रवाई करके वहां के राष्ट्रपति को गिरफ्तार किया है, उससे जुड़े कूटनीतिक, राजनीतिक और अन्तराष्ट्रीय कानून संबंधी सवाल जो खडे. हुए ही हैं, पर अमेरिका को हस्तक्षेप का अवसर देने के लिये मादुरो की नीतियां भी चर्चा में आई हैं। वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले की वजहें हो सकती है, लेकिन ट्रंप को यह तो सुनिश्चित करना ही होगा कि यह राष्ट्र अस्थिरता का अड्डा न बन जाये।

अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्वयं को वैश्विक शांति का मसीहा घोषित करते नहीं थकते, लेकिन उनकी नीतियां और कार्रवाइयाँ बार-बार युद्ध, हस्तक्षेप और सत्ता परिवर्तन की मानसिकता को उजागर करती हैं। यह वही अमेरिका है जो एक ओर लोकतंत्र, मानवाधिकार और संप्रभुता की दुहाई देता है, तो दूसरी ओर एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण और उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाना अंतर्राष्ट्रीय दादागिरी का दुर्लभ उदाहरण है। उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ट्रंप ने ऐलान किया है कि सत्ता परिवर्तन होने तक वाशिंगटन इस लैटिन अमेरिकी देश का संचालन करेगा। यह एक खतरनाक परंपरा है, जिसकी पुनरावृत्ति अमेरिकी महाद्वीप से बाहर होने की आशंका भी बलवती हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि निकोलस मादुरो के पतन के बाद वेनेजुएला में मिश्रित प्रतिक्रिया होगी। अंतर्राष्ट्रीय साजिशों से मादुरो को लगातार खलनायक बनाने की कोशिशों में एक वैश्विक तंत्र लगा हुआ था। इस तरह की दोहरी नीतियां केवल विडंबनापूर्ण नहीं, बल्कि वैश्विक शांति के लिये घातक है। वेनेजुएला संकट को केवल मादुरो बनाम अमेरिका के टकराव के रूप में देखना वास्तविकता को सरलीकृत करना होगा। इसमें संदेह नहीं कि मादुरो सरकार पर आर्थिक कुप्रबंधन, दमनकारी नीतियों, चुनावी अनियमितताओं और मानवाधिकार हनन जैसे गंभीर आरोप रहे हैं। लाखों वेनेजुएलावासी देश छोड़ने को मजबूर हुए, अर्थव्यवस्था चरमरा गई और जनता त्रस्त हुई। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है

कि किसी देश की आंतरिक विफलताओं को आधार बनाकर बाहरी सैन्य हस्तक्षेप को वैध ठहराना अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की आत्मा के विरुद्ध है। यदि यही मापदंड हो, तो दुनिया के अनेक देशों में बाहरी हस्तक्षेप का अंतहीन सिलसिला शुरू हो सकता है।

दरअसल, वैश्विक कूटनीति के जानकारों का मानना है कि वेनेजुएला के मामले में अमेरिका की असली चिंता न लोकतंत्र है और न ही मानवाधिकार, बल्कि वहां के विशाल तेल भंडार हैं। वेनेजुएला विश्व के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक पर बैठा देश है और ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण की अमेरिकी भूख कोई नई बात नहीं है। इराक, लीबिया और अफगानिस्तान इसके उदाहरण हैं, जहां ह्यलोकतंत्र स्थापनाह्ल के नाम पर हस्तक्षेप हुआ, लेकिन परिणामस्वरूप अस्थिरता, गृहयुद्ध और मानवीय संकट ही पैदा हुआ। ट्रंप का यह बयान कि मादुरो को पकड़ने के अभियान का खर्च वेनेजुएला के तेल राजस्व से वसूला जाएगा, इस पूरे घटनाक्रम की मंशा को बेनकाब करता है। यह कथन स्पष्ट करता है कि यह कार्रवाई न्याय या नैतिकता से नहीं, बल्कि संसाधनों पर नियंत्रण की साम्राज्यवादी सोच से प्रेरित है। किसी देश के प्राकृतिक संसाधनों पर इस तरह दावा करना उपनिवेशवादी मानसिकता का आधुनिक संस्करण है।

इस अमेरिकी कार्रवाई के भू-राजनीतिक परिणाम भी गहरे और दूरगामी होंगे। रूस और चीन ने इसे नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था के लिये गंभीर खतरा बताया है। मादुरो के आलोचक रहे कुछ अमेरिकी सहयोगी देश भी अब खुलकर चिंता जता रहे हैं। यह संकट वैश्विक ध्रूवीकरण को और तेज कर सकता है। विशेष रूप से चीन को इस घटनाक्रम से अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं, विशेषकर ताइवान पर अमेरिकी आलोचना को कमजोर करने का अवसर मिल सकता है। यदि अमेरिका स्वयं संप्रभुता का उल्लंघन करता है, तो वह दूसरों को किस नैतिक आधार पर संयम की सलाह देगा? वेनेजुएला संकट का एक और चिंताजनक पहलू वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला प्रभाव है। तेल उत्पादन और आपूर्ति में किसी भी प्रकार की अनिश्चितता का सीधा असर अंतर्राष्ट्रीय बाजारों पर पड़ता है। तेल कीमतों में उछाल पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर सकता है, विशेषकर विकासशील देशों को। भारत जैसे देशों के लिये यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है, जहां ऊर्जा आयात पर निर्भरता अधिक है। यही कारण है कि भारत ने इस घटनाक्रम पर संतुलित रुख अपनाते हुए चिंता व्यक्त की है और दोनों पक्षों से संवाद व कूटनीतिक समाधान की वकालत की है।

भारत का यह दृष्टिकोण न केवल व्यावहारिक है, बल्कि नैतिक रूप से भी अधिक जिम्मेदार है। युद्ध और हस्तक्षेप किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकते। इतिहास गवाह है कि इराक और अफगानिस्तान में सैन्य हस्तक्षेप के बाद अमेरिका को अंततः अपमानजनक विदाई का सामना करना पड़ा, लेकिन वे देश आज भी स्थिरता और शांति से कोसों दूर हैं। युद्ध शुरू करना भले आसान हो, लेकिन शांति और सुशासन स्थापित करना अत्यंत कठिन होता है-यह सत्य अमेरिका बार-बार भूलता रहा है। ट्रंप प्रशासन की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि वह स्वयं को शांति का अग्रदूत बताता है, लेकिन उसकी हर बड़ी विदेश नीति पहल टकराव और दबाव की राजनीति पर आधारित दिखती है। यह दोहरी मानसिकता न केवल अमेरिका की विश्वसनीयता को कमजोर करती है, बल्कि संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की प्रासंगिकता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि शक्तिशाली राष्ट्र अपने हितों के अनुसार नियम तोड़ने लगें, तो वैश्विक व्यवस्था अराजकता की ओर बढ़ेगी।

वेनेजुएला का संकट पूरी दुनिया के लिये एक चेतावनी है। यह बताता है कि आज भी शक्ति-राजनीति मानवता, शांति और कानून से ऊपर रखी जा रही है। जरूरत इस बात की है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय एकजुट होकर इस तरह के एकतरफा हस्तक्षेपों का विरोध करे और संवाद, कूटनीति तथा बहुपक्षीय समाधान को प्राथमिकता दे। किसी भी देश में सत्ता परिवर्तन का निर्णय वहां की जनता को करना चाहिए, न कि विदेशी सेनाओं को। अंततः, अमेरिका को यह समझना होगा कि किसी ह्यनिरंकुश शासकह्ल को हटाना शायद सैन्य शक्ति से संभव हो जाए, लेकिन किसी देश को स्थायी शांति, स्थिरता और समृद्धि देना केवल टैंकों और बमों से नहीं हो सकता।

# संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता पर सवाल

उमेश चतुर्वेदी

**वेनेजुएला** के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अपदस्थ करके हथकड़ियों में उनके देश से उठाकर न्यूयॉर्क में लाने की घटना को लेकर भारत की संतुलित प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। अमेरिका से व्यापारिक रिश्तों को लेकर जारी बातचीत के बीच अमेरिकी कार्रवाई की कड़ी आलोचना राष्ट्रीय कूटनीतिक लिहाज से सही नहीं कही जाएगी। वैसे भी ट्रंप जैसे राष्ट्राध्यक्ष के दौर में तो कड़ी प्रतिक्रिया अपने राष्ट्रीय हितों को संकट में डालने जैसा ही माना जाएगा। लेकिन जिस तरह भारत के लोगों ने इस कार्रवाई के विरोध में प्रतिक्रिया जताई है, उसे भी भारतीय लोक की स्वाभाविक प्रक्रिया का ही हिस्सा माना जाना चाहिए। भारतीय लोक स्वभाव से ही लोकतांत्रिक है और उसे लोकतांत्रिक सत्ताओं का सैनिक कार्रवाई के जरिए उखाड़ना पसंद नहीं रहा है। भारतीय लोक का मानस कमजोर के पक्ष में खड़े होने का रहा है। इसलिए अधिसंख्य भारतीय प्रतिक्रियाएं निकोलस मादुरो के पक्ष और अमेरिका के विरोध में है।

अमेरिकी कार्रवाई ने दो तरह प्रस्थापनाएं की हैं। पहली यह कि ताकतवर के लिए कुछ भी करना संभव है। वह उसे नियमों और कानूनों की परिभाषा में बांध सकता है। दुनिया लाख चिल्लाती रहे कि किसी राष्ट्राध्यक्ष की सत्ता को उखाड़ फेंकना और उसे गिरफ्तार करके अपने कानूनों के दायरे में लाना अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है, लेकिन इसका अमेरिका की सेहत पर फिलहाल कोई असर नहीं पड़ने जा रहा। अमेरिका ने एक तरह से इतिहास को ही दोहराया है। अमेरिका अपने हितों के खिलाफ जिस देश को सिर उठाते देखता है, उसके खिलाफ उसे सैनिक, कूटनीतिक और आर्थिक कार्रवाई करने में देर नहीं लगती। इस मौके पर जार्ज बुश सीनियर के दौर को याद किया जाना चाहिए। कुवैत में इराकी सेना की कार्रवाई के खिलाफ उन्होंने खाड़ी युद्ध छेड़ दिया था। बेशक इस युद्ध की आग में झुलसने के चलते वे सत्ता में दोबारा वापसी नहीं कर पाए। लेकिन उनके अधूरे कार्य को उनके बेटे जार्ज बुश जूनियर ने पूरा किया। बेशक इसके लिए मुस्लिम चरमपंथियों और ओसामा बिन लादेन के कुख्यात संगठन अलकायदा ने मौका मुहैया कराया।

इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन की सत्ता को तहस-नहस करने के लिए तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश जूनियर और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने एक बहाना बनाया। संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से इराक भेजे गए वैज्ञानिकों और पर्यवेक्षकों ने कथित रूप से रिपोर्ट दी कि इराक के पास व्यापक जनसंहार के रासायनिक हथियार हैं। अमेरिका की नजर में सद्दाम तानाशाह थे,इस लिहाज से ये हथियार मानवता के लिए घातक हो सकते थे।फिर क्या था,संयुक्त राष्ट्रसंघ के प्रस्ताव की आड़ में अमेरिका और ब्रिटेन ने इराकी शासन के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। अमेरिका की अगुआई वाली सेनाओं के हमले में इराक तहस-नहस हो गया। सद्दाम गिरफ्तार कर लिए गए, उनके खिलाफ मुकदमा चलाया गया और उन्हें व्यापक नरसंहार का दोषी ठहराते हुए फांसी पर लटका दिया गया। बाद के दिनों में बीबीसी ने रिपोर्ट दी कि जिन घातक रासायनिक हथियारों को खत्म करने के नाम पर इराक पर मित्र देशों की सेनाओं ने हमला किया, असलियत में ऐसे हथियार तो इराक के पास थे ही नहीं। बीबीसी को यह खबर लीक करने का शक हथियार जांचने पहुंचे अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य रहे ब्रिटिश वैज्ञानिक विलियम केली पर किया गया। बीबीसी के कई अधिकारियों और पत्रकारों को इस खबर के लिए अपनी नौकरी गवांनी पड़ी। एक सुबह टहलने गए विलियम केली भी रास्ते में मृत पाए गए। इराक में अमेरिकी तर्ज का लोकतंत्र स्थापित तो हो गया है,लेकिन क्या वहां शांति आ पाई है? कुछ ऐसा ही यक्ष प्रश्न वेनेजुएला को लेकर उभरने वाला है। सवाल यह है कि क्या डोनाल्ड ट्रंप की कार्रवाई के बाद वेनेजुएला में जो सत्ता स्थापित हुई है, क्या वह सही मायने में लोकतंत्र स्थापित करके वहां नशा के कारोबार को रोक पाएगी। नशे के कारोबार की बात इसलिए की जा रही है, क्योंकि ट्रंप ने मादुरो पर बड़ा आरोप लगाया है कि वे नशे के कारोबार को बढ़ावा दे रहे थे, जिससे अमेरिकी हितों को चोट पहुंच रही थी। हालांकि उनके इस आरोप को अमेरिका की ही उपराष्ट्रपति रहीं कमला हैरिस ने नकारा है। उनका कहना है कि ट्रंप की कार्रवाई की मूल वजह के पीछे तेल का खेल है।

## झारखंड

# जमशेदपुर में साहित्य उत्सव का आयोजन शहर में जुटेंगे देश के नामचीन साहित्यकार

*GANDIV REPORTER*

**जमशेदपुर।** लौहनगरी जमशेदपुर में पहली बार प्रथम पूर्वी सिंहभूम साहित्य उत्सव का आयोजन होगा। धालभूम अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन पूर्वी सिंहभूम जिला द्वारा होने वाले यह प्रथम साहित्य उत्सव में देशभर से साहित्यकार जुटेंगे।

पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन द्वारा पहली बार प्रथम साहित्य उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। प्रथम साहित्य उत्सव जिला के जमशेदपुर बिस्टुपुर क्षेत्र में स्थित गोपाल मैदान में आयोजित किया जाएगा। पहली बार होने वाले साहित्य उत्सव को लेकर पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। तीन दिवसीय साहित्य उत्सव 9, 10 और 11 जनवरी 2026 को होगा। साहित्य उत्सव के संदर्भ मे जानकारी देते हुए धालभूम अनुमंडल पदाधिकारी अर्णव मिश्रा ने बताया कि यह उत्सव साहित्य, कला, संस्कृति और जनजातीय विरासत के संरक्षण व प्रसार की दिशा में एक पहल है। तीन दिवसीय आयोजन में जिला, राज्य और देश के प्रतिष्ठित साहित्यकार, कवि, लेखक, इतिहासकार, विचारक एवं सांस्कृतिक कर्मी भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन, पूर्वी सिंहभूम का जिला के सभी साहित्यप्रेमियों, विद्यार्थियों, और आम नागरिकों से अपील है कि वे साहित्य उत्सव मे शामिल हो। अनुमंडल पदाधिकारी ने इस उत्सव मे शामिल होने वाले प्रमुख साहित्यकारों एवं बुद्धिजीवियों की सहभागिता होगी। जिनमें पद्मश्री डॉ. जानुम सिंह सोय, पद्मश्री हलधर नाग, पद्मश्री डॉ. पुष्पेश पंत, डॉ. नारायण उरांव, डॉ. अनुज लुगुन, डॉ. पार्वती तिर्की, डॉ. अशोक कुमार सेन, डॉ. प्रज्ञा शर्मा, डॉ.हिमांशु बाजपेयी, डॉ. सुरिंदर सिंह जोधका, डॉ. नेहा तिवारी, जेरी पिंटो, नीलोत्पल मृणाल, चंद्रहास चौधरी, महादेव टोप्पो, संजय कच्छप, निरंजन कुजूर, रणेन्द्र कुमार, रजा काजमी, बिक्रम ग्रेवाल, अक्षय बहिबाला, राहुल पंडिता, सौरव रॉय, प्रेमचंद उरांव, रविंद्रनाथ मुर्मू, यदुंवश प्रणय, अनुकृति उपाध्याय, जोबा मुर्मू, शताब्दी मिश्रा सहित अनेक साहित्यकार शामिल हैं। तीन दिवसीय साहित्य उत्सव मे सांस्कृतिक एवं कला गतिविधियां, साहित्यिक सत्रों के साथ-साथ दर्शकों के लिए लाइव ग्लिटर आर्ट, लाइव पेंटिंग, लाइव पॉटरी, लाइव बैंड परफॉर्मेंस, जनजातीय नृत्य द्वारा पारंपरिक स्वागत, नाट्य प्रस्तुति ह्यलोहे का आदमी और लोहारिन, स्थानीय छऊ नृत्य, जनजातीय खेलों की प्रस्तुति के अलावा पुस्तक का स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र होंगे।

## छात्रों ने किया झारखंड और ओड़िशा का शैक्षणिक भ्रमण

*GANDIV REPORTER*

**भुरकुंडा।** श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा के 120 विद्यार्थियों और 15 शिक्षकों के दल ने झारखंड और ओड़िशा के प्रसिद्ध पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण किया। पांच दिवसीय भ्रमण के दौरान बच्चों को देश की समृद्ध सांस्कृतिक, धार्मिक और वैज्ञानिक विरासत को नजदीक से देखने-समझने का अवसर मिला। विद्यार्थियों ने पुरी स्थित गोवर्धन मठ का दर्शन किया और जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी से मिले। यहाँ बच्चों को स्वामी महेशानंद जी के माध्यम से प्रसाद भी प्राप्त हुआ। इसके बाद जगन्नाथपुरी मंदिर में वीआईपी व्यवस्था के तहत बच्चों ने भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए और वहाँ के महाभोग को ग्रहण किया।अगले दिन कोणार्क के विश्व प्रसिद्ध सूर्य मंदिर का भी भ्रमण किया। बच्चों ने चंद्रभागा समुद्र तट के प्राइवेट गोल्डन बीच पर खूब मौज-मस्ती की। वाटर स्पोर्ट्स का आनंद उठाया। साथ ही रसगुल्ला बाजार में रसगुल्ले का लुत्फ उठाया। स्थानीय बाजारों में खरीदारी भी की।

इसी तरह भुवनेश्वर में प्रसिद्ध लिंगराज मंदिर का दर्शन किया। नंदन कानन चिड़ियाघर का भ्रमण किया। रोपवे की सवारी का भी आनंद उठाया। बच्चों ने भुवनेश्वर स्थित साइंस सिटी को देखा। यहाँ पर मिरर मैजिक गैलेरी में घूमकर बेहद रोमांचित हुए। डायनासोर पार्क भी देखा। साथ ही महात्मा गांधी के प्रसिद्ध म्यूजियम का भी दौरा किया और उनसे जुड़ी बातों को जाना।

जमशेदपुर में बच्चों ने जुबली और निको पार्क को देखा। तरह-तरह के झूलों का आनंद लिया। वाटर स्पोर्ट्स और बोटिंग भी किया। जमशेदपुर में लेजर लाइट शो को भी देखा। इसे देखकर उनका रोमांच चरम पर था। बच्चों ने प्रसिद्ध देवड़ी मंदिर का भी दर्शन किया।

दौरे का नेतृत्व कर रहे स्कूल के निदेशक प्रवीण राजगढ़िया ने कहा कि यह यात्रा विद्यार्थियों के लिए सीख, अनुभव और आनंद से भरपूर रही, जो लंबे समय तक उनकी स्मृतियों में बनी रहेगी। हमारा उद्देश्य बच्चों को देश की धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन स्थलों से जोड़कर उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना था।

## पलामू से दो अफीम तस्कर गिरफ्तार

पलामू। जिला से लाखों की अवैध अफीम की खेप को पुलिस ने जब्त किया है। अफीम की तस्करी पंजाब के लुधियाना में होने वाली थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध अफीम की खेप को जब्त कर लिया है जबकि दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी तस्कर आपस में रिश्तेदार हैं। एक आरोपी पंजाब के लुधियाना में लंबे समय से रह रहा है और अफीम के कारोबार से जुड़ा हुआ है। पलामू पुलिस को सूचना मिली थी कि मनातू थाना क्षेत्र के चक के इलाके से अफीम की तस्करी होने वाली है। इसी सूचना के आलोक में लेस्लीगंज एसडीपीओ के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने छापेमारी की। छापेमारी के क्रम में दो संदिग्ध युवकों को पकड़ा गया।

# अपनी कला से छात्र गढ़ रहा मां सरस्वती की मूर्तियां, बन रहा लोगों के आकर्षण का केंद्र

*GANDIV REPORTER*

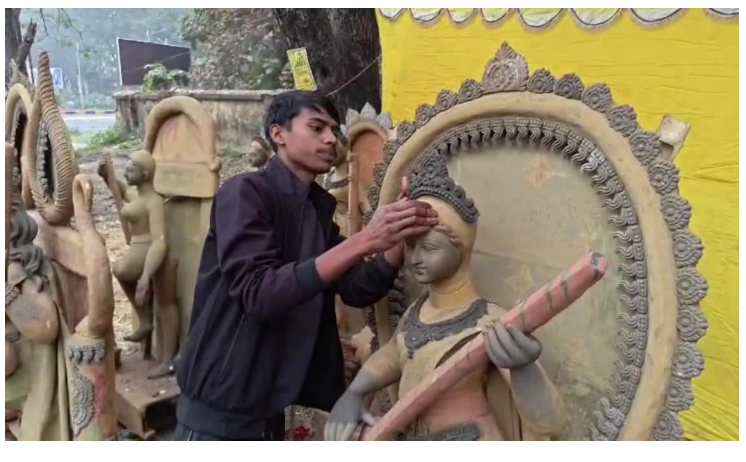

**बोकारो।** कहते हैं कि हौसलों की उड़ान हो ऊंची तो आसमान भी कम पड़ जाती है। इसी कहावत को चरितार्थ करता है सुदूरवर्ति गांव से निकल शहर में आकर विद्यादायिनी मां सरस्वती की मूर्ति को एक छात्र आकर दे रहा है। आसनमनी चंदनकियारी प्रखंड का एक युवा राकेश कुंभकार बोकारो शहर में सेक्टर-1 राम मंदिर के पास आकर सरस्वती मां की मूर्ति गढ़ रहा है।

मूर्ति गढ़ रहे युवक स्वामी सहजानंद कॉलेज में सेमेस्टर 3 का छात्र है। आर्थिक रूप से कमजोर यह छात्र घर की स्थिति और अपनी पढ़ाई का खर्च निकालने को लेकर प्रयासरत है। इसी कारण अपने पुश्तैनी कारोबार से थोड़ा इतर मूर्ति को आकार देने में लग गया। जिससे थोड़ी बहुत कमाई के साथ कला की पैमाइश भी हो जाती है।

मूर्ति बना रहे युवक के पिता गांव में मिट्टी के बर्तन बनाने का काम करते हैं। उसका कहना है कि कला की सही कीमत गांव में नहीं मिलती। इसलिए शहर में आकर वह मूर्ति का निर्माण कर रहा हूं। युवक के सास 2500 से 12 हजार तक की मूर्तियां उपलब्ध है। मूर्ति निर्माण में गंगा और दामोदर नदी के साथ-साथ लोकल मिट्टी का भी उपयोग किया गया है।

युवक ने कहा कि मूर्ति बनाने में वह कभी भी क्वालिटी से कंपरमाइज नहीं किया है। जिसके कारण उसकी मूर्तियों के दाम ज्यादा है और बिक भी तुरंत जाता है। मूर्ति बनाने का साथ-साथ वह प्रतियोगिता परीक्षाओं का भी तैयारी करता है। वे मूर्ति बनाने के साथ-साथ पेंटिंग और स्केच बनाने में भी रुचि रखता है। युवक ने बताया कि वे चार-पांच साल से मूर्ति बना रहा है।

RNI NO : JHABIL/2019/85684, Printed and Published by SHREE KANT SINGH on behalf of M/s PAHARI BABA VENTURES PVT LTD and Printed at KHABAR MANTRA PRESS, M/s VRINDA MEDIA PUBLICATIONS PVT LTD, Plot no-342,344 Chiroundi, Boreya Road, Ranchi, Jharkhand-834008 and Published at B-13, JP Market, Dhurwa, Ranchi-834004, Jharkhand, Ph.-06207706623. Editor- **Amarkant*** responsible for selection of news under the PRB Act.

# मूली खाएं बिना डर

## न्यूट्रिशनिस्ट ने बताए पाचन सुधारने के आसान तरीके

**सर्दियों के मौसम में मूली भारतीय घरों में सबसे ज्यादा इस्तेमाल की जाने वाली सब्जियों में से एक है। सलाद, सब्जी, पराठा या सूप- हर रूप में मूली को पसंद किया जाता है। यह ना केवल स्वाद में तीखी और कुरकुरी होती है, बल्कि पोषण से भी भरपूर होती है। हालांकि, कई लोगों को मूली खाने के बाद गैस, पेट फूलना और भारीपन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि मूली को डाइट से हटाया जाए। न्यूट्रिशनिस्ट कविता देवगन के अनुसार, मूली से होने वाली दिक्कतों की वजह सब्जी नहीं, बल्कि उसे खाने का गलत तरीका है।**

### मूली के पोषण लाभ

मूली कैलोरी में कम लेकिन फाइबर, विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट्स और कई जरूरी मिनरल्स से भरपूर होती है। एक स्टडी के अनुसार, मूली ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद कर सकती है जिससे डायबिटीज का खतरा कम हो सकता है। बावजूद इसके, इसकी तीखी प्रकृति और हाई फाइबर कुछ लोगों के पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकती है।

### सही मूली का चुनाव है जरूरी

न्यूट्रिशनिस्ट बताती हैं कि सभी तरह की मूली पाचन पर एक जैसा असर नहीं डालती। लाल मूली ज्यादा तीखी होती है, जबकि सफेद मूली में पानी की मात्रा अधिक होती है और यह पचाने में आसान होती है। अगर आपको गैस या एसिडिटी की समस्या रहती है तो सफेद मूली का चुनाव बेहतर रहता है।

### पकाने का तरीका बदलें

मूली को कच्चा खाने से अक्सर ब्लोटिंग बढ़ जाती है। इसे हल्का भाप में पकाना या हल्का सा भूनना इसके फाइबर को नरम कर देता है और तीखापन कम करता है। पकाने से मूली का स्वाद हल्का मीठा हो जाता है और यह पेट के लिए आसान बन जाती है। इसके अलावा, फर्मेंटेड या अचार वाली मूली भी पाचन के लिए फायदेमंद होती है। फर्मेंटेशन से मूली में प्रोबायोटिक्स बढ़ते हैं जो गट हेल्थ को बेहतर बनाते हैं। जल्दी अचार बनाने के लिए मूली को पतला काटकर उसमें सेब का सिरका, नमक और थोड़ी चीनी मिलाकर 30 मिनट के लिए रख दें।

### इन चीजों के साथ करें सेवन

मूली को अदरक, नींबू या जीरा जैसे पाचन बढ़ाने वाले तत्वों के साथ खाने से गैस की समस्या कम होती है। सलाद में कद्दूकस किया हुआ अदरक या नींबू का रस डालना फायदेमंद होता है। दही या छाछ जैसे प्रोबायोटिक फूड्स के साथ मूली खाने से भी पाचन सुधरता है।

**मात्रा पर रखें ध्यान:** एक्सपर्ट्स के मुताबिक, किसी भी हेल्दी फूड को ज्यादा मात्रा में खाना नुकसानदायक हो सकता है। मूली को थोड़ी मात्रा से शुरू करें और शरीर की प्रतिक्रिया समझें।

**हेल्थ टिप:** मूली पाचन के लिए खराब नहीं है, बल्कि उसे खाने का तरीका गलत होता है। सही किस्म, सही तैयारी और संतुलित मात्रा के साथ मूली सर्दियों में सेहत के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकती है। किसी भी तरह की विशेष जानकारी के लिए डॉक्टर से उचित सलाह लें।

# घर पर बनायें कश्मीरी मेथी चमन

**मेथी की आपने कई सब्जियां खाई होंगी, लेकिन क्या आप जानती हैं इससे कश्मीरी स्टाइल की भी एक डिश तैयार की जा सकती है। आज हम जिस डिश की बात करने जा रहे हैं पर अपने टेस्ट और तीखेपन के लिए कश्मीर में खूब पॉपुलर है। जी हां, यह डिश और कोई नहीं बल्कि मेथी चमन है। अगर आप भी वीकेंड के मौके पर फैमिली के लिए कुछ खास और नया ट्राई करना चाहती हैं, तो कश्मीरी मेथी चमन बना सकती हैं। आइए, यहां जानते हैं कि मेथी चमन कैसे और किन चीजों से बनाया जा सकता है।**

## बनाने की विधि

मेथी चमन बनाने के लिए सबसे पहले मेथी के पत्ते तोड़ें और डंठल हटा दें। मेथी तोड़ने के बाद अच्छी तरह से उसे धोएं और पत्तों पर एक चम्मच नमक छिड़कें और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। 10 मिनट के बाद मेथी को अच्छी तरह से धोएं और छलनी में छान लें। वहीं दूसरी तरफ गैस पर पैन रखें और उसमें प्याज, काजू और हरी मिर्च डाल दें। सामग्री डालने के बाद पैन में एक कप पानी डालें और 8 से 10 मिनट के लिए पकाएं। पानी सूखने के बाद गैस बंद कर दें और मिक्सचर को ठंडा होने दें।

मिक्सचर ठंडा होने के बाद उसे मिक्सी में डालकर पीस लें और स्मूथ पेस्ट बना लें। एक कटोरा लें उसमें दही, सौंफ का पाउडर और फ्रेश क्रीम डालकर अच्छे से मिक्स कर लें और साइड रख दें। अब पैन लें और उसमें सरसों का तेल डालकर गर्म करें और पनीर के टुकड़े डालें और हल्की आंच पर ब्राउन होने तक फ्राई करें।

पनीर फ्राई करने के बाद उसे एक कटोरे में निकाल लें और उसमें गर्म पानी डाल दें। उसी पैन में अदरक, लहसुन और हरी मिर्च डालें और कुछ देर के लिए फ्राई करें। अब मेथी की पत्तियां, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च और जीरा-धनिया पाउडर डालकर 2 से 3 मिनट तक फ्राई करें। मेथी की पत्तियों के साथ मसाला फ्राई करने के बाद उसमें काजू का पेस्ट डालें और अच्छे से मिक्स करें। काजू की पेस्ट को पका लें और फिर उसमें पनीर के टुकड़े डालें।

जिस पानी में पनीर भिगने के लिए रखा था, वह आधा कप डाल दें। अब सब्जी को मीडियम आंच पर 5 मिनट के लिए पकाएं। अब गर्मागर्म मेथी चमन को रोटी या चावल के साथ सर्व करें।

### सामग्री

मेथी चमन बनाने के लिए एक चौथाई कप सरसों का तेल, 2 कप मेथी, 2 कप छोटे-छोटे टुकड़ों में कटा पनीर, 1 कप कटा प्याज, एक चौथाई कप काजू, 2 हरी मिर्च, 2 चम्मच बारीक कटा अदरक, 1 चम्मच बारीक कटा लहसुन, एक चौथाई बारीक कटी हरी मिर्च, एक चौथाई चम्मच हल्दी, एक चौथाई चम्मच लाल मिर्च, एक चम्मच धनिया-जीरा, आधा कप दही, एक चौथाई कप सौंफ पाउडर, 2 चम्मच फ्रेश क्रीम, नमक और काली मिर्च स्वादानुसार

# नहाने के पानी में जरूर मिलाएं पांच चीजें, सुंदरता के साथ बढ़ेगा आपका सौभाग्य और आकर्षण

**आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने वाले हैं जिन्हें पानी में मिलाकर नहाने से ना सिर्फ आपकी खूबसूरती में इजाफा होगा बल्कि ये आपके जीवन में गुड लक को भी अट्रैक्ट करने में मदद करेंगी। नहाना हमारे डेली रूटीन का एक बहुत ही अहम हिस्सा है। अब भले ही सर्दियों में लोगों का नहाना जरूर कुछ कम हो जाए लेकिन फिर भी हफ्ते में दो-चार बार थक हार कर बाथरूम का रुख लोग कर ही लेते हैं। खैर, नहाना महज शरीर की गन्दगी को साफ करने के लिए जरूरी नहीं बल्कि कहीं ना कहीं ये आपको मानसिक शांति और चीजों को बेहतर ढंग से समझने की शक्ति भी देता है। ज्योतिष और वास्तु में भी नहाने का बहुत ही महत्व बताया गया है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में कुछ ऐसी चीजों का जिक्र है जिन्हें पानी में मिलाकर नहाने से सौभाग्य, खुशहाली और सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। इतना ही नहीं ये सभी चीजें आपकी खूबसूरती और आकर्षण को बढ़ाने का भी काम करती हैं। तो चलिए आज इन्हीं के बारे में जानते हैं।**

### नहाने के पानी में मिलाएं चुटकी भर हल्दी

लगभग हर भारतीय रसोई में कुछ मिले या ना मिले, हल्दी तो जरूर मिल ही जाती है। ये सिर्फ खाने की रंगत और स्वाद बढ़ाने का ही काम नहीं करती बल्कि इसे आप अपने नहाने के पानी में भी मिला सकते हैं। कहते हैं कि पानी में चुटकी भर हल्दी मिलाकर नहाने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। इसके साथ ही हल्दी की प्यूरीफाइंग प्रॉपर्टीज हर तरह की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है। अगर आप रोजाना पानी में हल्दी मिलाकर नहाते हैं तो ये आपकी त्वचा को साफ-सुथरा बनाने और उसकी रंगत निखारने में भी मदद करती है।

### नीम वाले पानी से करें स्नान

अपने ढेरों गुणों के लिए चर्चित नीम को भी पानी में मिलाकर नहाने के कई फायदे हैं। नीम के एंटीबैक्टीरियल, एंटीफंगल और एंटीवायरल गुण शरीर को डीप क्लीन करने का काम करते हैं। साथ ही एलर्जी, खुजली या रैशेज जैसी अन्य स्किन प्रॉब्लम्स में भी काफी फायदेमंद है। इसके साथ ही ज्योतिष के अनुसार नीम के पानी से नहाने पर शरीर में नई और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और हर तरह की नेगेटिविटी दूर होती है। इसके लिए आप नहाने वाले पानी में नीम का तेल, पाउडर या कुछ पत्तियां मिला सकते हैं।

### नहाने के पानी में मिलाएं तुलसी के पत्ते

तुलसी के पौधे का धार्मिक महत्व तो आपको पता ही होगा, साथ ही सेहत के लिए भी तुलसी के पत्ते किसी वरदान से कम नहीं। नहाने के पानी में यदि तुलसी के कुछ पत्ते या अर्क मिला दिया जाए, तो ये भी स्किन के लिए काफी फायदेमंद होता है। तुलसी के पत्तों में पाए जाने वाले एंटीबैक्टीरियल गुण, त्वचा संबंधी कई परेशानियों को खत्म करने में मददगार होते हैं। साथ ही ये स्ट्रेस लेवल को कम करने में भी काफी हेल्पफुल होता है। ज्योतिष के अनुसार तुलसी के पत्ते मिलाकर नहाने से नकारात्मकता दूर होती है और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

### गुलाब की पत्तियों को करें शामिल

नहाने के पानी में गुलाब की पत्तियों को मिलाना भी काफी फायदेमंद है। सदियों से गुलाब का इस्तेमाल इसके स्किनकेयर बेनिफिट्स के लिए होता रहा है। गुलाब की कुछ पंखुड़ियां पानी में मिलाकर नहाने से त्वचा तो कोमल और ब्राइट होती ही है, साथ ही इसकी खुशबू मूड को बेहतर बनाने और स्ट्रेस को कम करने में भी मदद करती है। इसके साथ ही मान्य है कि गुलाब के पत्तों वाले पानी से नहाने पर जीवन में प्रेम, खुशहाली और सुख-समृद्धि बनी रहती है और सौभाग्य में भी वृद्धि होती है।

### पानी में मिलाएं चंदन के तेल की कुछ बूंदे

चंदन का इस्तेमाल भी सदियों से अपनी खूबसूरती को निखारने के लिए होता आया है। यूं तो आप चंदन पाउडर की उबटन बनाकर भी नहा सकते हैं लेकिन पानी में चंदन के तेल की कुछ बूंदे मिलाकर नहाना सबसे आसान और कारगर तरीका है। ये सिर्फ आपकी त्वचा में निखार लाने और उसे खुशबूदार बनाने का ही काम नहीं करता बल्कि ज्योतिष के अनुसार ये जीवन में गुड लुक और पॉजिटिविटी अट्रैक्ट करने का भी काम करता है। इसके साथ ही इसकी भीनी खुशबू मूड को तुरंत खुशनुमा बनाकर ताजगी और सुकून देती है।

प्रयागराज में माघ मेला के दौरान साधुओं का झुंड स्नान को जाते हुए, इस दौरान जयघोष से गुंजायमान हो उठा संगम तट

### वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज पर एनएमसी का बड़ा एक्शन

# एमबीबीएस की मान्यता रद्द, 50 छात्रों का भविष्य दांव पर, एलओपी वापस

*GANDIV REPORTER*

**जम्मू-कश्मीर।** राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद ने बुनियादी ढांचे में गंभीर कमियों के कारण वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस की अनुमति रद्द कर दी है, जिसके बाद मौजूदा 50 छात्रों को जम्मू-कश्मीर के अन्य सरकारी कॉलेजों में स्थानांतरित किया जाएगा। यह फैसला कॉलेज में 50 में से 46 मुस्लिम छात्रों के प्रवेश पर हुए विवाद के बाद आया है। राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद (एनएमसी) ने मंगलवार देर रात श्री माता वैष्णो देवी चिकित्सा उत्कृष्टता संस्थान (एसएमवीडीआईएमई) को सत्र 2025-26 के लिए एमबीबीएस पाठ्यक्रम संचालित करने हेतु जारी किया गया अनुमति पत्र (एलओपी) वापस ले लिया। यह कार्रवाई संस्थान के बुनियादी ढांचे में गंभीर खामियों, जिनमें शिक्षकों की संख्या और नैदानिक सामग्री की कमी शामिल है, के आधार पर की गई। एनएमसी के निदेर्शों के अनुसार, एनएमसी द्वारा शैक्षणिक

वर्ष 2025-26 के लिए एनएमसी में एनएमबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने वाले छात्रों को सक्षम प्राधिकारी द्वारा केंद्र शासित प्रदेश के अन्य सरकारी संस्थानों में अतिरिक्त सीटों के रूप में समायोजित किया जाएगा।एनएमसी ने विशेषज्ञों की अपनी टीम द्वारा विस्तृत निरीक्षण के बाद एलओपी जारी करने के बाद पिछले वर्ष सितंबर में कॉलेज को एमबीबीएस पाठ्यक्रम संचालित करने और 50 छात्रों को प्रवेश देने की अनुमति दी थी। इन 50 छात्रों में से 46 मुस्लिम छात्रों का चयन एनएमईटी में उनकी योग्यता के आधार पर किया गया था। पिछले सप्ताह एनएमसी की एक टीम द्वारा मेडिकल संस्थान के अचानक निरीक्षण के बाद अनुमति वापस ले ली गई, जो अधिकारियों के अनुसार, कई शिकायतों के बाद किया गया था कि कॉलेज में मेडिकल पाठ्यक्रम चलाने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे का अभाव है। जम्मू और कश्मीर के श्री माता वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस पाठ्यक्रम के पहले बैच में कुल 50 छात्रों में से 46 मुस्लिम छात्रों के प्रवेश को लेकर विवाद के बीच, जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भाजपा सरकार से इन छात्रों को अन्य मेडिकल कॉलेजों में समायोजित करने और विवाद को समाप्त करने के लिए नवनिर्मित मेडिकल कॉलेज को बंद करने का आग्रह किया। स्थानीय लोग और विभिन्न हिंदू संगठन हिंदू उम्मीदवारों के लिए आरक्षण की मांग कर रहे हैं, क्योंकि मेडिकल कॉलेज का निर्माण और संचालन काफी हद तक श्री माता वैष्णो देवी मंदिर के हिंदू श्रद्धालुओं के दान से हुआ है।उमर ने शिक्षा, खेल और खान-पान की आदतों पर भाजपा की कथित सांप्रदायिक राजनीति का आरोप लगाया। लोक निर्माण विभाग की विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा के बाद मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए उमर ने कहा, बच्चों ने अपनी मेहनत से परीक्षा पास की और सीटें हासिल कीं। किसी ने भी उन पर कोई एहसान नहीं किया। अगर आप उन्हें वहां नहीं चाहते तो उन्हें कहीं और समायोजित कर दें।ह्व उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में मुझे नहीं लगता कि छात्र खुद वहां पढ़ना चाहेंगे। हम भारत सरकार और स्वास्थ्य मंत्रालय से अनुरोध करते हैं कि इन बच्चों को दूसरे कॉलेजों में दाखिला दिलाया जाए। अगर मैं इन छात्रों का अभिभावक होता, तो मैं उन्हें वहां नहीं भेजता। हम नहीं चाहते कि वे ऐसी जगह पढ़ें जहां इतनी राजनीति हो।

### वेनेजुएला के घटनाक्रम पर भारत चिंतित

# विदेश मंत्री जयशंकर ने की सभी पक्षों से बातचीत की अपील

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** वेनेजुएला में अमेरिकी कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लिए जाने पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत का रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि वेनेजुएला में हाल के घटनाक्रमों को लेकर भारत चिंतित है। विदेश मंत्री ने सभी संबंधित पक्षों से मौजूदा संकट के बीच वेनेजुएला के लोगों की सुरक्षा और भलाई को प्राथमिकता देने का भी अनुरोध किया।

**जयशंकर ने कहा-हम हालिया घटनाक्रम को लेकर चिंतित हैं**

: लक्जमबर्ग में एक कार्यक्रम के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा, हम हालिया घटनाक्रम को लेकर चिंतित हैं। लेकिन हम इसमें शामिल सभी पक्षों से यह आग्रह करेंगे कि वे अब बैठकर ऐसे समाधान पर पहुंचें जो वेनेजुएला के लोगों की भलाई और सुरक्षा के हित में हो, क्योंकि यही हमारी चिंता है। उन्होंने आगे कहा, वेनेजुएला के साथ भारत के कई सालों से बहुत अच्छे संबंध रहे हैं। हम चाहते हैं कि वेनेजुएला के लोग मौजूदा घटनाक्रम की दिशा चाहे जो भी हो, उससे सुरक्षित और बेहतर स्थिति में बाहर आएं।

**विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा** : इससे पहले, भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान में कहा कि काराकास में भारतीय दूतावास भारतीय समुदाय के सदस्यों के संपर्क में है और हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। बयान में आगे कहा गया, वेनेजुएला में हाल के घटनाक्रम गहरी चिंता का विषय हैं। हम बदलती स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। भारत वेनेजुएला के लोगों की भलाई और सुरक्षा के लिए अपने समर्थन की पुष्टि करता है। हम सभी संबंधित पक्षों से बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण तरीके से मुद्दों को सुलझाने और क्षेत्र में शांति व स्थिरता सुनिश्चित करने का आह्वान करते हैं।

विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, काराकास में भारतीय दूतावास भारतीय समुदाय के सदस्यों के संपर्क में है और हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। बयान में आगे कहा गया, वेनेजुएला में हाल के घटनाक्रम गहरी चिंता का विषय हैं। हम बदलती स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। भारत वेनेजुएला के लोगों की भलाई और सुरक्षा के लिए अपने समर्थन की पुष्टि करता है। हम सभी संबंधित पक्षों से बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण तरीके से मुद्दों को सुलझाने और क्षेत्र में शांति व स्थिरता सुनिश्चित करने का आह्वान करते हैं।

**वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो अभी न्यूयॉर्क की जेल में हैं:** गौरतलब है कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो अभी न्यूयॉर्क की जेल में हैं। अमेरिका ने 3 जनवरी को वेनेजुएला में कार्रवाई की थी, जिस दौरान राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लिया गया। ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्व कहे जाने वाले इस अभियान में अमेरिका ने सैन्य कार्रवाई करते हुए मादुरो को हिरासत में लिया था।

### सरबजीत कौर को वापस नहीं भेजेगा पाकिस्तान?

# भारतीय सिख महिला को शेल्टर होम भेजा

*GANDIV REPORTER*

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान में इस्लाम अपनाकर मुस्लिम शख्स से शादी करने वाली भारतीय सिख महिला सरबजीत कौर को लाहौर शेल्टर होम भेज दिया गया है। जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक महिला को भारतीय अधिकारियों को सौंपने के बारे में पाकिस्तान सरकार ने अभी तक कोई फैसला नहीं लिया है। पहले रिपोर्ट आई थी कि 5 जनवरी को महिला सरबजीत कौर को भारत डिपोर्ट कर दिया जाएगा, लेकिन आखिरी वक्त में डिपोर्ट करने की प्रक्रिया को रोक दिया गया था।

जियो की रिपोर्ट के मुताबिक, सरबजीत सिंह कौर को लाहौर के दार-उल-अमन शेल्टर होम में भेजा गया है। वहीं, पाकिस्तानी अधिकारी महिला की कानूनी और प्रशासनिक स्टेटस पर बातचीत कर रहे हैं। उसे भारतीय अधिकारियों को सौंपने की प्रक्रिया पर अभी

फैसला नहीं हुआ है। आपको बता दें कि 48 साल की भारतीय महिला सरबजीत कौर 4 नवंबर को सिख तीर्थयात्रियों के जत्थे के साथ पाकिस्तान गई थी और फिर वहां गायब हो गई थी। बाद में पता चला कि उसने 5 नवंबर को इस्लाम कबूलकर नासिर हुसैन नाम के पाकिस्तानी नागरिक के साथ शादी कर ली है।

**सरबजीत कौर को क्या भारत भेजेगा पाकिस्तान?** सरबजीत कौर और नासिर हुसैन को इस महीने पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों ने हिरासत में ले लिया और अब जियो न्यूज ने रिपोर्ट दी है कि उसे लाहौर शेल्टर होम भेजा गया है। जियो न्यूज ने पाकिस्तान के रक्षा सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया है कि भारतीय सिख महिला का साल 2016 में नासिर हुसैन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए संपर्क हुआ था और धीरे धीरे उनके बीच प्रेम प्रसंग शुरू हो गया। महिला तलाकशुदा थी। उसने पाकिस्तान जाने के लिए पहले भी कोशिशें की थी लेकिन वीजा नहीं मिल पाया।

पाकिस्तान के सिख संगठन ने लाहौर कोर्ट में सिख महिला को जल्द भारत भेजने को लेकर याचिका दायर की है। सिख संगठन के वकील अहमद हसन पाशा ने जियो न्यूज से बात करते हुए कहा है कि फॉरेनर्स एक्ट 1946 के तहत, सरबजीत कौर को पाकिस्तान में रहने की इजाजत नहीं है, इसीलिए उन्हें भारत वापस भेजने का इंतजाम किया गया। हालांकि उन्होंने आगे ये भी कहा, कि वह बाद में भारत से पति-पत्नी वीजा पर पाकिस्तान लौट सकती हैं और उसके बाद स्थायी तौर पर रहने के लिए पाकिस्तान सरकार के कानून के तहत आवेदन कर सकती हैं। जबकि लाहौर हाई कोर्ट में सरबजीत कौर के खिलाफ केस लड़ रहे वकील अली चंगेजी सिंधु ने कहा, कि मामला अभी भी कोर्ट में पेंडिंग है। 5 दिसंबर को सुनवाई के दौरान, जस्टिस फारूक हैदर ने कैबिनेट डिवीजन, पंजाब इंस्पेक्टर जनरल, फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी और दूसरे संबंधित संस्थानों से रिपोर्ट मांगी है।

### बिहार पंचायत चुनाव से पहले नहीं होगा नया परिसीमन

# पुराने वार्ड और क्षेत्रों में ही डाले जाएंगे वोट

*GANDIV REPORTER*

**पटना।** बिहार में पंचायत आम चुनाव 2026 को लेकर राज्य सरकार ने एक बड़ा निर्णय लिया है। प्रदेश में इस बार चुनाव क्षेत्रों का नया परिसीमन नहीं किया जाएगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि वार्ड, पंचायत या अन्य चुनाव क्षेत्रों में किसी भी तरह के बदलाव का कोई फैसला नहीं लिया गया है। इसका अर्थ है कि वर्ष 2026 में पंचायतीराज संस्थाओं के करीब 2.50 लाख पदों के लिए चुनाव पुराने परिसीमन के आधार पर ही संपन्न होंगे। इसमें ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद के सभी पद शामिल हैं।

**चुनाव से पहले तय होगा आरक्षण रोस्टर**

भले ही परिसीमन नहीं बदला जा रहा है, लेकिन आरक्षण रोस्टर का निर्धारण नए सिरे से किया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग जल्द ही इसकी प्रक्रिया शुरू करेगा। आयोग

के सूत्रों के अनुसार, इसके लिए सभी जिलों से राजस्व ग्राम के वार्डवार आंकड़ों की जानकारी मांगी जाएगी। इन आंकड़ों (आबादी और वर्तमान पदों की संख्या) का मिलान आयोग के मुख्य डेटा बैंक से करने के बाद ही आरक्षण की स्थिति स्पष्ट की जाएगी।

पिछले कुछ दिनों से प्रखंड मुख्यालयों में यह अफवाह जोरों पर थी कि चुनाव से पहले नए वार्ड और पंचायतों का गठन होगा। इस भ्रम के कारण लोग निर्वाचन आयोग के दफ्तरों के चक्कर लगा रहे थे। आयोग ने साफ किया है कि पंचायत चुनाव की प्रक्रिया सितंबर, अक्टूबर और नवंबर के बीच विभिन्न चरणों में आयोजित होने की संभावना है, जिसे दिसंबर से पहले पूरा करना अनिवार्य है। आयोग अब इन अफवाहों को फैलाने वालों पर आवश्यक कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है।क्या होता है परिसीमन ?

पंचायत परिसीमन वह कानूनी प्रक्रिया है जिसके माध्यम से ग्राम पंचायतों, वार्डों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों की भौगोलिक सीमा तय की जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य जनसंख्या के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों का निर्धारण करना होता है ताकि प्रत्येक जनप्रतिनिधि लगभग समान आबादी का प्रतिनिधित्व कर सके। चूंकि इस बार समय कम है और सरकार ने बदलाव का निर्णय नहीं लिया है, इसलिए 2021 वाली सीमाएं ही प्रभावी रहेंगी।

# मादुरो को पकड़ते ही सरेंडर हुआ वेनेजुएला, अमेरिका को भेजेगा 50 मिलियन बैरल तेल

*GANDIV REPORTER*

**वॉशिंगटन।** राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि वेनेजुएला की अंतरिम सरकार अमेरिका को 3 करोड़ से 5 करोड़ बैरल हाई क्वालिटी तेल देगी जिसे बाजार मूल्य पर बेजा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इससे होने वाली कमाई उनके नियंत्रण में होगी और दोनों देशों के फायदे के लिए इस्तेमाल की जाएगी। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में यह घोषणा की। उन्होंने कहा, मैंने ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट से इस प्लान को तुरंत लागू करने के लिए कहा है। इसे स्टोरेज शिप से ले जाया जाएगा और सीधे अमेरिका में अनलोडिंग डॉक पर लाया जाएगा।

मादुरो की गिरफ्तारी के बाद ट्रंप का बड़ा ऐलान

ट्रंप की यह घोषणा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के कुछ दिनों बाद गई है। अमेरिकी सेनाओं ने 3 जनवरी को सुबड़ तड़के एक ऑपरेशन में मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ लिया था। दोनों को न्यूयॉर्क लाया गया है जहां उन पर मुकदमा चल रहा है। मादुरो पर अमेरिका में ड्रग और हथियारों की तस्करी का आरोप लगाया गया है। मैनहट्टन कोर्ट में पेशी के दौरान मादुरो ने खुद को निर्दोष बताया और कहा कि उनका अपहरण किया गया है।

**अमेरिका को होगा पैसे पर कंट्रोल**

वेनेजुएला के तेल के बारे में जानकारी देते हुए ट्रंप ने कहा कि यह तेल बाजार मूल्य पर बेजा जाएगा और उस पैसे को वह अमेरिका के राष्ट्रपति के तौर पर कंट्रोल करेंगे। ट्रंप ने कहा, इन फंड्स का इस्तेमाल यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा कि इसका फायदा वेनेजुएला और अमेरिका के लोगों को हो।

ट्रंप प्रशासन निकोलस मादुरो के

## वेनेजुएला के तेल पर अमेरिका की नजर

वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है, लेकिन अभी यह हर दिन सिर्फ 10 लाख बैरल तेल का उत्पादन करता है। यह अक्टूबर 2025 में अमेरिका के औसत रोजाना उत्पादन 139 लाख बैरल से बहुत कम है। एक अलग घटनाक्रम में वॉइट हाउस शुक्रवार को वेनेजुएला के संबंध में तेल कंपनी के अधिकारियों के साथ ओवल ऑफिस में एक बैठक आयोजित कर रहा है। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र के अनुसार, इसमें एक्सॉन, शेवरॉन और कोनोकोफिलिप्स के प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है।

हटाए जाने को वेनेजुएला के लिए एक टर्निंग पॉइंट के तौर पर पेश कर रहा है। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे समय में जब तेल लगभग 56 डॉलर प्रति बैरल पर बिक्री हो रहा है, ट्रंप की घोषणा के अनुसार वेनेजुएला की खेप मूल्य 2.8 अरब डॉलर तक हो सकता है। अमेरिकी एनर्जी इन्फॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन के डेटा के आधार पर यह खेप लगभग ढाई दिन की सप्लाई के बराबर होगी।

# बांग्लादेश को भारत में खेलने होंगे टी20 वर्ल्ड कप मैच, आईसीसी ने खारिज की मांग

GANDIV REPORTER

**नई दिल्ली।** भारत और बांग्लादेश के मध्य खराब होते क्रिकेट संबंधों के बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की वेन्यू बदलने की मांग को ठुकरा दिया है। इस फैसले के बाद बांग्लादेश को भारत में ही टी20 विश्व कप खेलना होगा। बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों के चलते भारत से श्रीलंका में मैच शिफ्ट कराने की मांग की थी। इस पर आईसीसी ने कहा कि भारत में सुरक्षा को लेकर कोई 'रेड फ्लैग' नहीं है। बांग्लादेश को टूर्नामेंट खेलने भारत ही आना होगा।

गौरतलब है कि बीसीसीआई ने बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को भारत में आईपीएल खेलने से रोक दिया था। इसके बाद बांग्लादेश सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए देश में इंडियन प्रीमियर लीग के प्रसारण और प्रचार पर अनिश्चितकालीन रोक लगा दी थी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भी कहा था कि वह टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारत दौरे पर अपनी टीम नहीं भेजेगा। बोर्ड के अनुसार, मौजूदा हालात और सरकार की सलाह को देखते हुए खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता है। अगर एक खिलाड़ी की सुरक्षा को लेकर सवाल हैं, तो पूरी टीम की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जा सकती है?

बीसीबी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद से यह भी मांग की है कि भारत में होने वाले बांग्लादेश के मैचों के वेन्यू बदले जाएं। बोर्ड का कहना है कि खिलाड़ियों, अधिकारियों और सहयोगी स्टाफ की सुरक्षा सर्वोपरि है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बांग्लादेश की उस रिक्वेस्ट को खारिज कर दिया है जिसमें उसने आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 के अपने मैच भारत से बाहर शिफ्ट करने की मांग की थी। यह फैसला दोनों बॉडीज के बीच एक वर्चुअल मीटिंग में बताया गया, जिसमें आईसीसी ने साफ कर दिया कि बांग्लादेश को टूर्नामेंट के लिए भारत आना होगा, नहीं तो पॉइंट्स गंवाने का खतरा रहेगा। सूत्रों के मुताबिक, आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को बताया कि उठाई गई चिंताओं के बावजूद टूर्नामेंट का शेड्यूल और वेन्यू अपरिवर्तित रहेंगे। समझा जाता है कि ग्लोबल बॉडी ने इउइ से कहा कि भारत में मैच खेलने से मना करने पर खेल से जुड़े नतीजे होंगे, जिसमें पॉइंट्स गंवाने की संभावना भी शामिल है। हालांकि, बीसीबी सूत्रों ने कहा है कि उन्हें अभी तक रिजेक्शन की पुष्टि करने वाला कोई ऑफिशियल कम्युनिकेशन नहीं मिला है।यह टकराव भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और बीसीबी के बीच तनाव में तेजी से बढ़ोतरी के बाद हुआ है, जब बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को इंडियन प्रीमियर लीग से रिलीज कर दिया गया था। बीसीसीआई ने कोलकाता नाइट राइडर्स से मुस्तफिजुर का कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने के लिए कहा था, जिसका कारण चारों ओर के घटनाक्रम बताया गया था। यह कदम बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की खबरों के बाद भारत में राजनीतिक विरोध के बीच उठाया गया था।

मुस्तफिजुर की रिहाई के बाद, बीसीबी ने स्थिति का जायजा लेने के लिए एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाई और बाद में आईसीसी को लिखकर टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत आने पर अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा और संरक्षा पर चिंता जताई। बांग्लादेश ने पहले के उदाहरणों का भी हवाला दिया, जिसमें बीसीबी के डायरेक्टर फारूक अहमद ने अपनी रिक्वेस्ट के समर्थन में हाइब्रिड मॉडल के तहत आईसीसी इवेंट्स में पाकिस्तान की भागीदारी का ज़िक्र किया।

जैसे-जैसे स्थिति गंभीर होती गई, बांग्लादेश ने देश में आने वाले आईपीएल सीजन के प्रसारण पर बैन लगाकर और कदम उठाए। इंडिया टुडे से पहले बात करते हुए, फारूक अहमद ने कहा था कि दोनों क्रिकेट बोर्ड के बीच संबंधों को खराब करने में राजनीति ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, इस बात पर जोर देते हुए कि क्रिकेट से जुड़े मामले बड़े मुद्दों में उलझ गए हैं। इस बीच, मुस्तफिजुर तेजी से आगे बढ़ गए हैं, आईपीएल से बाहर होने के तुरंत बाद पाकिस्तान सुपर लीग में शामिल हो गए हैं। हालांकि आईसीसी का रुख वर्ल्ड कप शेड्यूल में आखिरी समय में बदलाव करने की कम इच्छा दिखाता है, लेकिन औपचारिक कम्युनिकेशन की कमी ने लगातार अनिश्चितता के लिए जगह छोड़ दी है और बीसीबी ने अभी तक सार्वजनिक रूप से अपने अगले कदम की पुष्टि नहीं की है।

# टी20 विश्व कप 2026 : न्यूजीलैंड की टीम घोषित, मिचेल सेंटनर होंगे कप्तान

GANDIV REPORTER

**क्राइस्टचर्च।** टी20 विश्व कप 2026 के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने टीम का ऐलान कर दिया है। अनुभवी ऑलराउंडर मिचेल सेंटनर 15 सदस्यीय टीम का नेतृत्व करेंगे। कप्तान के साथ ही मिचेल सेंटनर विश्व कप में सबसे अनुभवी खिलाड़ी भी होंगे।

वह अपना 9वां आईसीसी इवेंट खेलेंगे। उनके साथ अनुभवी स्पिनर ईश सोढ़ी भी टीम का हिस्सा हैं। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी का साल 2025 में शानदार प्रदर्शन रहा है। उन्हें भी टीम में जगह दी गई है। डफी ने पिछले साल तीनों फॉर्मेट मिलाकर 81 विकेट लिए थे। टी20 में गेंदबाजों की रैंकिंग में वह दूसरे नंबर पर हैं। तेज गेंदबाजी में डफी के साथ लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी और एडम मिल्ने को जगह दी गई है।

जिमी नीशम भी तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में टीम में शामिल हैं। ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल, ग्लेन फिलिप्स और रचिन रवींद्र टीम में गेंदबाजी और बल्लेबाजी को मजबूत करेंगे। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी टिम सीफर्ट को दी गई है। काइल जैमीसन रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर शामिल हैं। जेमीसन को टूर्नामेंट में खेलने का मौका मिल सकता है। टूर्नामेंट के दौरान फर्ग्यूसन और मैट हेनरी दोनों पैटरनिटी लीव लेने वाले हैं। इस दौरान जैमिसन की टीम में एंट्री हो सकती है। न्यूजीलैंड के हेड कोच रॉब वाल्टर टी20 विश्व कप को लेकर उत्साहित हैं। वॉल्टर ने कहा, ह्लविश्व कप खास होते हैं, और भारत आधुनिक क्रिकेट की धड़कन है, और इससे बेहतर जगहें बहुत कम हैं।

उन्होंने कहा कि मेगा इवेंट के लिए चुनी गई टीम संतुलित है। हमारे पास बैटिंग में बहुत पावर और स्किल है, क्वालिटी बॉलर हैं जो हालात के हिसाब से ढल सकते हैं, साथ ही पांच ऑल-राउंडर हैं जो सभी कुछ अलग लाते हैं। यह एक अनुभवी ग्रुप है, और खिलाड़ी सब-कॉन्टिनेंट में खेलने के लिए नए नहीं हैं, जो उनके लिए फायदेमंद होगा।

**टी20 विश्व कप 2026 के लिए न्यूजीलैंड टीम**

मिचेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिशेल, एडम मिल्ने, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम सीफर्ट, ईश सोढ़ी।

# वैभव सूर्यवंशी को रास आ रही कप्तानी, फिर अफ्रीका को पीटा, ठोका शतक

GANDIV REPORTER

**नई दिल्ली।** बेनोनी में भारतीय अंडर 19 टीम और साउथ अफ्रीका अंडर 19 टीम के बीच तीसरा यूथ वनडे बेनोनी में खेला जा रहा है। इस मुकाबले में भारत के कप्तान वैभव सूर्यवंशी ने कमाल कर दिया। उन्होंने पहले सिर्फ 24 गेंद में फिफ्टी ठोकी। वह यहां नहीं रुके। इसके बाद भी उन्होंने अपनी तूफानी बल्लेबाजी जारी रखी और 63 गेंद में शतक ठोक दिया। वैभव ने अपनी पारी में 6 चौके और 8 छक्के लगाए। उनका बल्ला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। वह लगातार रन बना रहे हैं। यह भारत के लिए अच्छे संकेत हैं। 14 साल के सूर्यवंशी लगातार अपने नाम का डंका बजा रहे हैं और अब वह अंडर 19 टीम की कप्तानी भी कर रहे हैं। जिस तरह से उनका बल्ला बोल रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि उनको कप्तानी भी रास आ रही है।दूसरे यूथ वनडे में ठोकी थी तूफानी फिफ्टी साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे यूथ वनडे में भी वैभव सूर्यवंशी ने विस्फोटक पारी खेली थी। उन्होंने सिर्फ 19 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया था। सूर्यवंशी ने दूसरे यूथ वनडे में 250 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 24 गेंद में 68 रन बनाए थे। उनके बल्ले से 10 छक्के और 1 चौका देखने को मिला था। वैभव सूर्यवंशी जिस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं, उसमें अपनी छाप छोड़ रहे हैं। उन्होंने भारत की घरेलू टी20 लीग सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भाग लिया, उसमें भी उन्होंने शतक जड़ा। फिर विजय हजारे ट्रॉफी खेलते हुए उन्होंने अरुणाचल के खिलाफ 36 गेंद में सेंचुरी लगाई। वैभव ने भारत के लिए इमर्जिंग एशिया कप और अंडर 19 एशिया कप खेलते हुए भी शतक बनाया था। उससे पहले आईपीएल में भी उन्होंने तूफानी शतक लगाकर सुर्खियां बटोरी थीं। 14 साल की उम्र में वैभव ने क्रिकेट जगत में अपनी एक अलग पहचान बना ली है।

# सिडनी टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने रचा इतिहास, एशेज का 144 पुराना इतिहास बदल दिया

## ऑस्ट्रेलिया की नजरें एशेज सीरीज को 4-1 से जीतने पर

GANDIV REPORTER

**सिडनी।** ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा रहा एशेज सीरीज का 5वां टेस्ट रोमांचक हो गया है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 567 रन बनाए और इंग्लैंड के पहली पारी के 384 रन के मुकाबले 183 रन की बढ़त ली थी। इंग्लैंड ने भी मैच के चौथे दिन बुधवार को जैकब बैथल के नॉटआउट शतक की बदौलत समाचार लिखने तक 8 विकेट पर 302 रन बनाकर 119 रन की बढ़त बना ली है। मैच में अभी 5 सेशन का खेल बाकी है। ऐसे में यदि कोई भारी उलटफेर नहीं हो गया तो ऑस्ट्रेलिया का यह टेस्ट मैच जीतना और एशेज 2025 को 4-1 के साथ खत्म करना तय है।

मैच का रिजल्ट क्या होगा, यह तो अभी तय होना बाकी है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में ऐसा कारनामा किया है, जो एशेज के 144 साल के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ है। इतना ही नहीं 149 साल के टेस्ट इतिहास में भी यह कारनामा महज एक बार ही किया गया है, जो भारतीय क्रिकेट टीम ने किया था।

**ऑस्ट्रेलिया की पारी में बना यह रिकॉर्ड** : ऑस्ट्रेलिया के लिए पहली पारी में कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने 138 रन और ट्रेविस हेड ने 163 रन की पारियां खेली थीं। लेकिन इस पारी के दौरान सभी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने मिलकर आपस में 7 बार 50 या उससे ज्यादा रन की पार्टनरशिप की हैं। एशेज के 144 साल के इतिहास में यह पहला मौका है, जब ऑस्ट्रेलिया या इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने एक पारी में इतनी ज्यादा बार 50 या उससे ज्यादा रन की पार्टनरशिप की हैं। ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के बीच 1877 में पहले ऑफिशियल टेस्ट मैच के साथ टेस्ट क्रिकेट का इतिहास शुरू हुआ था, लेकिन एशेज सीरीज की शुरूआत 1882-83 में इंग्लैंड के ऑस्ट्रेलिया दौरे के साथ हुई थी।

**केवल राहुल द्रविड़ की टीम कर पाई थी ऐसा** : टेस्ट क्रिकेट के 149 साल के इतिहास में भी एक पारी में 7 बार 50 या उससे ज्यादा रन की पार्टनरशिप करने का कारनामा एक ही बार हुआ है। यह कारनामा साल 2007 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी वाली भारतीय क्रिकेट टीम ने किया था। इंग्लैंड के खिलाफ द ओवल में खेले गए इस टेस्ट मैच में ही भारतीय लेग स्पिनर अनिल कुंबले ने अपने टेस्ट करियर का इकलौता शतक भी बनाया था। ऑस्ट्रेलियाई टीम राहुल द्रविड़ की टीम के बेंचमार्क को तोड़ सकती थी, लेकिन एलेक्स कैरी और स्टीव स्मिथ के बीच की पार्टनरशिप 27 रन पर ही खत्म हो गई।

**एशेज इतिहास में चार बार एक पारी में 50+ स्कोर की बनी 6 पार्टनरशिप** : इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली एशेज सीरीज के 144 साल पुराने इतिहास में चार बार ऐसे मौके आए हैं, जब किसी एक टीम ने एक पारी में 6 बार 50 या उससे ज्यादा रन की पार्टनरशिप की है। सबसे पहली बार साल 1892 में ऐसा हुआ था, जब इंग्लैंड ने एडिलेड में 6 ऐसी पार्टनरशिप की थी। यह रिकॉर्ड 134 साल से चला आ रहा था। इसके बाद तीन बार 6 पार्टनरशिप तो एक पारी में हुई, लेकिन 134 साल में दोनों में से कोई भी टीम इससे आगे नहीं जा सकी थी। अब यह 134 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया है।

# शतक जड़ने वाले रुतुराज गायकवाड़ को किया ड्रॉप, पूर्व क्रिकेटर्स ने उठाए सवाल

GANDIV REPORTER

**नई दिल्ली।** दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शतक जड़ने के बावजूद रुतुराज गायकवाड़ को न्यूजीलैंड सीरीज से ड्रॉप किए जाने पर बीसीसीआई चयन समिति की कड़ी आलोचना हो रही है। पूर्व क्रिकेटरों सदागोप्पन रमेश और रॉबिन उथप्पा ने इस फैसले को 'नाइंसाफी' बताते हुए टीम चयन की प्राथमिकताओं और निरंतरता की कमी पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज सदागोप्पन रमेश का मानना है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए रुतुराज गायकवाड़ को टीम में शामिल किया जाना चाहिए था। रमेश ने कहा कि ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी की जगह रुतुराज को टीम में शामिल किया जाना चाहिए था और उन्होंने पांचवें सीम बॉलर को शामिल करने के फैसले पर सवाल उठाया। गायकवाड़ ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करते हुए शतक बनाया था, लेकिन न्यूजीलैंड सीरीज के लिए उन्हें टीम से बाहर रखा गया। रमेश ने कहा कि रेड्डी की भूमिका अभी स्पष्ट नहीं है और उनकी जगह गायकवाड़ को टीम में शामिल किया जाना चाहिए था। न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारतीय टीम से रुतुराज गायकवाड़ को बाहर किए जाने से बीसीसीआई चयन समिति के फैसलों पर सवाल उठ रहे हैं। चेन्नई के इस बल्लेबाज ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने पिछले मैच में शतक बनाया था, लेकिन फिर भी उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। उनका बाहर होना श्रेयस अय्यर की वापसी के साथ हुआ है, जो ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान लगी चोट से उबरकर टीम में लौटे हैं, जिससे चयन प्राथमिकताओं पर बहस और तेज हो गई है। हालांकि, अय्यर की फिटनेस जांच पूरी होने पर ही टीम में उनकी उपलब्धता तय होगी, और इस अनिश्चितता के बावजूद, चयनकताओं ने गायकवाड़ को बैकअप विकल्प के रूप में नहीं चुना।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने गायकवाड़ को टीम से बाहर किए जाने पर हैरानी जताते हुए इसे पचाना मुश्किल बताया। उन्होंने भारतीय क्रिकेट में लगातार अस्तित्व बनाए रखने के दबाव का जिक्र किया और असफलताओं से निपटने और आगे बढ़ते रहने के लिए दृढ़ता, सकारात्मक आत्म-संचार और सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर बल दिया। गायकवाड़ ने 2022 में वनडे क्रिकेट में पदार्पण किया, लेकिन तब से उन्हें लगातार मौके नहीं मिल पाए हैं। नौ मैचों में उन्होंने 28.50 के औसत से 228 रन बनाए हैं, जिनमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है।

उथप्पा ने भारतीय क्रिकेट में सफलता पाने के लिए आवश्यक अथक परिश्रम पर जोर दिया, खासकर मुंबई, दिल्ली और पंजाब जैसे प्रमुख क्रिकेट केंद्रों से बाहर के खिलाड़ियों के लिए। उन्होंने उच्चतम स्तर पर जगह बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने, संघर्ष करने और दृढ़ रहने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने आगे कहा, ह्लऔर आपको लगातार संघर्ष करते रहने का रास्ता खोजना होगा, खासकर अगर आप भारत के तीन बड़े राज्यों - मुंबई, दिल्ली और पंजाब - में से किसी एक से नहीं आते हैं। अगर आप इन राज्यों में से किसी एक से नहीं हैं, तो आपको खुद को लगातार आगे बढ़ाते रहना होगा।

# चेल्सी ने लियम रोसेनियर को बनाया नया हेड कोच, युवा टीम पर रहेगा फोकस

GANDIV REPORTER

**नई दिल्ली।** चेल्सी ने एन्जो मारेस्का की जगह लियम रोसेनियर को अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है, जो क्लब की रणनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है। यह नियुक्ति दर्शाती है कि चेल्सी अब तात्कालिक नतीजों के बजाय युवा खिलाड़ियों के विकास और एक स्थायी भविष्य की योजना पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

रोमन अब्रामोविच के दौर में चेल्सी किसी भी कीमत पर जीत के लिए तैयार रहती थी। बड़े नाम, महंगे सौदे और तत्काल नतीजे क्लब की पहचान थे। अब भी मालिकाना हक आर्थिक रूप से मजबूत है, लेकिन प्रीमियर लीग के पीएसआर और यूएफा के एफएफपी नियमों के चलते क्लब की रणनीति बदली हुई है। मौजूद जानकारी के अनुसार, मौजूदा प्रबंधन तात्कालिक नतीजों से ज्यादा खिलाड़ियों के विकास और भविष्य की योजना पर ध्यान दे रहा है।

इसी सोच के तहत ब्लूको ने अपने दूसरे क्लब, फ्रेंच लीग-1 की टीम स्ट्रासबर्ग के मुख्य कोच लियम रोसेनियर को स्टैमफोर्ड ब्रिज की जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया है। 41 वर्षीय रोसेनियर ने 2024 में पैट्रिक विएरा की जगह स्ट्रासबर्ग की कमान संभाली थी और अब वह एन्जो मारेस्का की जगह चेल्सी के हेड कोच बने।

गौरतलब है कि रोसेनियर का नाम भले ही बड़े सितारों की तरह चर्चित न हो, लेकिन कोचिंग जगत में उनकी छवि एक बेहतरीन शिक्षक और रणनीतिक दिमाग की रही है। बतौर खिलाड़ी उन्होंने प्रीमियर लीग और चैंपियनशिप में डिफेंडर के रूप में लंबा करियर बिताया। खेल से संन्यास के बाद वह पंडित्री से होते हुए कोचिंग में आए और ब्राइटन अंडर-23, डर्बी काउंटी और फिर वेन रूनी के सहायक के तौर पर खुद को साबित किया। वेन रूनी खुद रोसेनियर की खुलकर तारीफ कर चुके हैं। उनके मुताबिक, रोसेनियर का काम करने का तरीका, खिलाड़ियों पर बारीक ध्यान और रोजमर्रा की तैयारी उन्हें खास बनाती है। यह भी माना जाता है कि डर्बी में कठिन हालात के बावजूद टीम को संभालने में रोसेनियर की भूमिका अहम रही।

कोच के तौर पर रोसेनियर की सबसे बड़ी पहचान युवा खिलाड़ियों को निखारना रही है। हल सिटी में उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद टीम को सातवें स्थान तक पहुंचाया। वहां लियम डेलाप, टायलर मॉर्टन और फैबियो कार्वाल्हो जैसे युवा खिलाड़ियों को उन्होंने भरपूर मौके दिए। स्ट्रासबर्ग में भी उनकी टीम लीग की सबसे युवा टीमों में से एक रही, जिसका औसत उम्र करीब 22 साल रही है।

रणनीति की बात करें तो रोसेनियर भी गेंद पर नियंत्रण और पीछे से खेल बनाने में भरोसा रखते हैं। हालांकि, वह केवल एक सिस्टम तक सीमित नहीं रहते। स्ट्रासबर्ग में उन्होंने 3-4-3 से लेकर चार डिफेंडरों वाली व्यवस्था तक आजमाई है। उनका मानना है कि खिलाड़ियों में साहस और अनुशासन दोनों जरूरी हैं, ताकि दबाव में भी टीम संतुलन बनाए रख सके।

चेल्सी के लिए यह नियुक्ति एक बड़ा प्रयोग मानी जा रही है। क्लब उम्मीद कर रहा है कि रोसेनियर न सिर्फ युवाओं को तकनीकी रूप से बेहतर बनाएंगे, बल्कि ड्रेसिंग रूम में अनुशासन और स्थिरता भी लाएंगे। नतीजे तुरंत आएं या न आएं, लेकिन साफ है कि चेल्सी अब एक बार फिर बदलाव के दौर में प्रवेश कर चुकी है।

# सामंथा रुथ प्रभु की नई फिल्म मां इंटि बंगारम का पोस्टर रिलीज

शादी समारोह भूत शुद्धि विवाह की शाश्वत योगिक परंपरा के अनुसार आयोजित किया गया था, जो एक अनोखी अभिषेक प्रक्रिया है जिसे पार्टनर्स के बीच विचार, भावना या शारीरिकता से परे एक गहरा मौलिक बंधन बनाने के लिए डिजाइन किया गया है।

सामंथा रुथ प्रभु प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में नई ऊंचाइयों को छूने के बाद फिर से एक्शन में लौट आई हैं। 2025 की फिल्म शुभम से प्रोड्यूसर के तौर पर डेब्यू करने के बाद, उन्होंने द फैमिली मैन 2 और सिटाडेलः हनी बनी जैसे शोज के क्रिएटर राज निदिमोरू से शादी कर ली। 7 जनवरी को, उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म मां इंटि बंगारम का फर्स्ट लुक जारी किया। यह फिल्म राज निदिमोरू ने बनाई है।

**सामंथा मां इंटि बंगारम में प्रोड्यूसर की भूमिका भी निभा रही**

फिल्म में एक्टिंग करने के अलावा, सामंथा मां इंटि बंगारम में प्रोड्यूसर की भूमिका भी निभा रही हैं। फिल्म में गुलशन देवैया और दिगंत भी अहम भूमिकाओं में हैं, और यह ओह! बेबी की पिछली सफलता के बाद डायरेक्टर नंदिनी रेड्डी के साथ उनका रीयूनियन है। सामंथा के पति और फिल्ममेकर राज निदिमोरू फिल्म के पीछे क्रिएटिव फोर्स के तौर पर जुड़े हुए हैं। इस कपल ने हाल ही में कोयंबटूर में ईशा फाउंडेशन में एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी की। सामंथा ने प्रोजेक्ट के मकसद और इरादों के बारे में खुलकर बात की है। हाल ही में एक प्रेस बातचीत के दौरान, उन्होंने शेयर किया, हम ऐसी कहानियों के लिए एक जगह बना रहे हैं जो आपको छू जाएं, ऐसी कहानियां जो क्रेडिट्स खत्म होने के बाद भी आपके साथ रहें। मां इंटि बंगारम उसी विश्वास से पैदा हुई है - यह प्यार, अपनेपन और उन रोजमर्रा की वैल्यूज का जश्न मनाती है जो हमें एक साथ बांधे रखती हैं, सामंथा ने कहा।

एक्टिंग से प्रोडक्शन में अपने बदलाव के बारे में बताते हुए, सामंथा ने समझाया, एक्टर से प्रोड्यूसर बनने तक का मेरा सफर ग्रोथ का रहा है, जिसमें मैंने सीखा भी है और कुछ भूला भी है। यह ऐसी कहानियों को आकार देने पर केंद्रित रहा है जो फ्रेम से परे हों, जो दिल से बात करें।

सामंथा ने दिसंबर 2025 में राज निदिमोरू से शादी की

सामंथा रुथ प्रभु और राज निदिमोरू के डेटिंग की अफवाहें कुछ समय से चल रही थीं। इस कपल ने 1 दिसंबर, 2025 को सीधे अपनी शादी की तस्वीरें पोस्ट करके इन अफवाहों का जवाब देने का फैसला किया।

दोनों कोयंबटूर में ईशा योग केंद्र के अंदर लिंग भैरवी देवी के स्थान पर एक पवित्र भूत शुद्धि विवाह समारोह में एक हुए। शादी समारोह भूत शुद्धि विवाह की शाश्वत योगिक परंपरा के अनुसार आयोजित किया गया था, जो एक अनोखी अभिषेक प्रक्रिया है जिसे पार्टनर्स के बीच विचार, भावना या शारीरिकता से परे एक गहरा मौलिक बंधन बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। भूत शुद्धि विवाह, जो लिंग भैरवी के स्थानों या चुनिंदा जगहों पर किया जाता है, यह जोड़े और उनके मिलन के अंदर के पांच तत्वों को शुद्ध करता है, और उनकी शादी में सद्भाव, समृद्धि और आध्यात्मिक तालमेल के लिए देवी की कृपा का आह्वान करता है। फिल्म में एक्टिंग करने के अलावा, सामंथा मां इंटि बंगारम में प्रोड्यूसर की भूमिका भी निभा रही हैं। फिल्म में गुलशन देवैया और दिगंत भी अहम भूमिकाओं में हैं, और यह ओह! बेबी की पिछली सफलता के बाद डायरेक्टर नंदिनी रेड्डी के साथ उनका रीयूनियन है। सामंथा के पति और फिल्ममेकर राज निदिमोरू फिल्म के पीछे क्रिएटिव फोर्स के तौर पर जुड़े हुए हैं। इस कपल ने हाल ही में कोयंबटूर में ईशा फाउंडेशन में एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी की। सामंथा ने प्रोजेक्ट के मकसद और इरादों के बारे में खुलकर बात की है। हाल ही में एक प्रेस बातचीत के दौरान, उन्होंने शेयर किया।

# बिग बॉस 19 : कुनिका ने मालती के लिए किया बहुत बड़ा दावा, कहा- वो लड़की लेस्बियन है, वो...



बिग बॉस 19 के हालिया एपिसोड में कुणिका सदानंद बेडरूम में तान्या मित्तल से बात करती नजर आईं। जैसा कि सभी जानते हैं, घर में मालती चाहर की तान्या मित्तल और फरहाना भट्ट से कई बार बहस हुई। एपिसोड में टास्क को लेकर उनकी और फरहाना के बीच तीखी बहस हुई।

जैसे-जैसे बिग बॉस 19 अपने अंत के करीब आ रहा है, इंटरनेट यूजर्स इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि सलमान खान के शो के फाइनल में कौन पहुँचेगा। घरवाले अब एक-दूसरे का मजाक उड़ा रहे हैं। लेकिन जब कुणिका सदानंद ने घर में मालती चाहर के यौन अभिविन्यास का मुद्दा उठाया, तो सभी हैरान रह गए। उन्होंने मालती को लेस्बियन कहा। बिग बॉस 19 के हालिया एपिसोड में कुणिका सदानंद बेडरूम में तान्या मित्तल से बात करती नजर आईं। जैसा कि सभी जानते हैं, घर में मालती चाहर की तान्या मित्तल और फरहाना भट्ट से कई बार बहस हुई। एपिसोड में टास्क को लेकर उनकी और फरहाना के बीच तीखी बहस हुई।

बिग बॉस 19 में कुणिका सदानंद ने मालती चाहर के बारे में किया बड़ा दावा यह सब तब शुरू हुआ जब तान्या मित्तल ने कुणिका से कहा कि वह टास्क के दौरान मालती से नाराज थीं क्योंकि उन्होंने उन्हें थाली से मारने की कोशिश की थी। तान्या ने अपना गुस्सा जाहिर किया, तो कुणिका उनके पास आईं और दावा किया कि उन्हें मालती के लेस्बियन होने का पूरा यकीन है। कुणिका ने कहा, एक चीज बोलना है, तो ऐसा है ये जो मालती मैडम ना, मुझे पूरा यकीन है कि वह लेस्बियन हैं। हालाँकि, तान्या ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

**नए एपिसोड में और क्या हुआ?**

बिग बॉस 19 के घर में कई मुकाबलों के साथ तनाव बढ़ा, वफादारी बदली और भावनाएँ चरम पर पहुँचीं। अमाल की फरहाना से तीखी झड़प से लेकर शहबाज के बिग बॉस पर भड़कने तक, 73वाँ दिन ड्रामा, भावनाओं और खुलासों से भरा रहा। अमाल, फरहाना और गौरव के बीच खेल की रणनीति और व्यक्तित्व को लेकर बहस हुई। फरहाना और अमाल ने सवाल किया कि क्या गौरव एक किरदार निभा रहे हैं, जिस पर गौरव ने पलटवार करते हुए कहा कि कोई भी तीन महीने तक चौबीसों घंटे अभिनय नहीं कर सकता। चर्चा जल्द ही दार्शनिक हो गई क्योंकि उन्होंने अपने जीवन के व्यक्तिगत संघर्षों और घर के अंदर अपनी प्रामाणिकता पर विचार किया। अमाल और गौरव की बातचीत विशेषाधिकार और अवसर पर तीखी बहस में बदल गई।

# फिल्मों में आने से पहले यह काम करती थीं मल्लिका शेरावत

## पिता बनाना चाहते थे आईएएस

बॉलीवुड की बोल्ड एंड हॉट एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत 24 अक्टूबर को अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। मल्लिका का असली नाम रीमा लांबा है। मल्लिका अपनी लाइफस्टाइल, फिल्मों में बोल्ड सीन और पर्सनल लाइफ को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। मल्लिका बॉलीवुड के साथ-साथ हॉलीवुड फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं।

मल्लिका शेरावत के पिता उन्हें आईएस बनना चाहते थे। लेकिन वो फिल्मों में काम करना चाहती थी। परिवार वालों ने मल्लिका से रिश्तो तोड़ लिया और वह मुंबई आ गईं। मल्लिका फिल्म में आने से पहले एयर होस्टेस का काम करती थीं।

मल्लिका ने अपने अभिनय करियर की शुरूआत साल 2002 में जीना सिर्फ मेरे लिए से की थी। उन्होंने 2003 की फिल्म ख्वाहिश में मुख्य अभिनेत्री के रूप में बॉलीवुड में शुरूआत की। इस फिल्म में मल्लिका ने बोल्ड सीन देकर तहलका मचा दिया था। मल्लिका ने फिल्म में 17 किसिंग सीन दिए थे।

मल्लिका ने अपने करियर की शुरूआत भले ही फिल्म ख्वाहिश से की हो, लेकिन उन्हें असली पहचान फिल्म मर्डर से मिली। फिल्म में मल्लिका के अपोजिट इमरान हाशमी थे। हिसार के एक छोटे से गांव में जन्मी मल्लिका ने पहले बॉलीवुड और फिर हॉलीवुड का सफर तय किया।

मल्लिका शेरावत ने हिस्स, डबल धमाल, डर्टी पॉलिटिक्स, बचके रहना रे बाबा, किस किस की किस्मत, प्यार के साइड इफेक्ट्स जैसी फिल्मों में काम किया है। मल्लिका ने हाल ही में फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से पर्दे पर कमबैक किया है।

मल्लिका शेरावत के पिता उन्हें आईएस बनना चाहते थे। लेकिन वो फिल्मों में काम करना चाहती थी। परिवार वालों ने मल्लिका से रिश्तो तोड़ लिया और वह मुंबई आ गईं।

# तमन्ना और सोनम बाजवा ने गोवा के क्लब में डांस से मचाई हलचल




गोवा में जोश से भरी नए साल की पार्टी के साथ 2026 का स्वागत किया गया और सारा ध्यान तमन्ना भाटिया और सोनम बाजवा पर था। बागा का एक फेमस बीच क्लब म्यूजिक, डांस और सितारों की चकाचौंध से जगमगा उठा, जहां हजारों लोग नए साल का जश्न मनाने के लिए इकट्ठा हुए। तमन्ना भाटिया ने अपने खास अंदाज और एनर्जी से भरपूर डांस मूव्स के साथ मंच पर कदम रखा और फेमस गानों पर परफॉर्म किया। उन्होंने दर्शकों को लगातार तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने एक खूबसूरत लाल रंग की ड्रेस पहनी थी जो माहौल से पूरी तरह मेल खा रही थी। फैंस एक्साइटेड थे और तमन्ना के मंच पर आने से स्टेज जगमगा उठा, लोगों ने उनके वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किए।तमन्ना भाटिया और सोनम बाजवा ने लगाए ठुमके

इस ग्लैमरस परफॉर्मेंस में पंजाबी सिनेमा की स्टार सोनम बाजवा भी शामिल हुईं। उनके डांस मूव्स ने दर्शकों को जोशीले गानों पर थिरकने पर मजबूर कर दिया। सोनम के परफॉर्मेंस के वीडियो तुरंत वायरल हो गए और फैंस ने उनकी एनर्जी और स्टेज पर उनके लगाए गए तड़के की खूब तारीफ की।नए साल की पार्टी में इन स्टार्स की रौनक

पार्टी में केवल ये दो हसीनाएं ही नहीं थीं। सिंगर मिलिंद गाबा ने लाइव परफॉर्मेंस दी, वहीं डीजे चेत्ज, स्वप्निल और मैक विएरा ने अपने सेट से डांस फ्लोर को 2026 की सुबह तक खचाखच भरा रखा। लेकिन असल में तमन्ना और सोनम की परफॉर्मेंस ने सबका दिल जीत लिया।

**फैंस के दिल तक पहुंचा डांस** : उस रात के वीडियो सोशल मीडिया पर छा गए, जिनमें फैंस ने सितारों से सजे डांस को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। कई लोगों ने इसे नए साल का स्वागत करने का सबसे बेहतरीन तरीका बताया और दोनों के डांस और ग्लैमर की खूब तारीफ की।टाइम्स स्क्वायर के पास उमड़ी भीड़ इसी बीच, न्यूयॉर्क शहर ने भी टाइम्स स्क्वायर बॉल ड्रॉप के साथ शानदार ढंग से 2026 का स्वागत किया। हजारों लोग कड़ाके की ठंड में भी दुनिया के सबसे प्रसिद्ध फेस्टिवल में से एक का हिस्सा बनने के लिए उमड़ पड़े।

# रणवीर सिंह की धुरंधर ने रचा इतिहास! 831 करोड़ के साथ बनी सबसे बड़ी फिल्म, वाईआरएफ ने सफलता को मील का पत्थर बताया

जाने-माने बैनर यश राज फिल्म्स ने एक तारीफ वाली पोस्ट में टिकट काउंटरों पर इस ड्रामा की शानदार परफॉर्मेंस के लिए पूरी टीम को बधाई दी, जिसमें लिखा था, धुरंधर सिर्फ एक फिल्म नहीं है... यह भारतीय सिनेमा में एक मील का पत्थर है जिसे हमेशा याद रखा जाएगा।

रणवीर सिंह की लेटेस्ट फिल्म धुरंधर ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। अब यह एक ही भाषा में अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। इसे भारतीय सिनेमा में एक मील का पत्थर बताते हुए, जाने-माने बैनर यश राज फिल्म्स ने एक तारीफ वाली पोस्ट में टिकट काउंटरों पर इस ड्रामा की शानदार परफॉर्मेंस के लिए पूरी टीम को बधाई दी, जिसमें लिखा था, धुरंधर सिर्फ एक फिल्म नहीं है... यह भारतीय सिनेमा में एक मील का पत्थर है जिसे हमेशा याद रखा जाएगा। आदित्य धर और जियो स्टूडियोज को अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म (एक ही भाषा में) बनने के लिए बधाई।

धुरंधर में हमजा अली मजारी का किरदार निभाने वाले रणवीर सिंह ने फ्रक्ष्की पोस्ट पर जवाब दिया है। जिन्हें नहीं पता, एक्टर को वाईआरएफ की 2010 में आई फि ल्म बैंड बाजा बारात से अनुष्का शर्मा के साथ पहला बड़ा ब्रेक मिला था।

**वाईआरएफ ने धुरंधर की टीम की तारीफ की**

आदित्य चोपड़ा की यश राज फि ल्म्स ने धुरंधर की टीम की तारीफ करते हुए एक ओपन नोट पोस्ट किया। नोट में लिखा था, धुरंधर सिर्फ.एक फि ल्म नहीं है... यह भारतीय सिनेमा में एक मील का पत्थर है जिसे हमेशा याद रखा जाएगा।

नोट में इस बड़ी उपलब्धि के लिए खास तौर पर आदित्य धर और जियो स्टूडियोज का ज़िक्र किया गया था। अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फि ल्म (एक ही भाषा में) बनने के लिए आदित्य धर और जियो स्टूडियोज को बधाई। जहाज के कप्तान के तौर पर, आदित्य धर के मकसद की क्लैरिटी, निडर कहानी कहने के अंदाज और बेहतरीन काम के प्रति अटूट कमिटमेंट ने भारतीय सिनेमा के लिए एक नया बेंचमार्क सेट किया है।प्रोडक्शन हाउस ने धुरंधर की कास्ट और क्रू को भी बधाई दी। हम इस शानदार फि ल्म के हर कास्ट मेंबर और टेक्नीशियन को भी बधाई देते हैं जिन्होंने अपना सब कुछ दिया। आप ही वे धुरंधर हैं जिन्होंने फि ल्म के विचार को बड़े पर्दे पर इतनी जोर से और इतनी शानदार तरीके से दिखाया। हमें ऐसा सिनेमा देने के लिए धन्यवाद जो हमें क्रिएटिव एक्सीलेंस की तलाश में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

रणवीर सिंह ने वाईआरएफ की पोस्ट पर जवाब दिया

रणवीर सिंह ने वाईआरएफ की पोस्ट पर दिल वाले इमोजी के साथ जवाब दिया। उन्होंने लिखा, ह्लमेरे प्यारे अल्मा मेटर, मैं बस आपको गर्व महसूस कराना चाहता था!

**वाईआरएफ के लिए आगे क्या है?**

यश राज फि ल्म्स के लिए 2025 मिला-जुला रहा। जहां ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की वॉर 2 बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर पाई, वहीं नए कलाकार अहान पांडे और अनीता पड्डा की सैयारा हिट हो गई। वाईआरएफ की अगली पेशकश में आलिया भट्ट और शारवरी अभिनीत अल्फा शामिल है, जो 17 अप्रैल, 2026 को रिलीज होगी। इसमें रानी मुखर्जी की मदार्नी 3 भी पाइपलाइन में है, जो 27 फरवरी, 2026 को रिलीज होगी।